दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026

website:- chhattisgarhgaurav.in

वर्ष 25 अंक 322 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये

बुधवार 25 फरवरी 2026 डाक-गुरूवार 26 फरवरी 2026

chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

इंदौर स्वीट्स
नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद
अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी
हमारा विश्वास हैं
एक बार खायेगें, बार-बार आयेगें...
पावर हाऊस रोड, कोरबा
फोन-222833,222733

प्रथमेश

अमेरिका में बर्फीले तूफान से 11 हजार फ्लाइट रद्द:5 लाख घरों की बिजली गुल, 153 साल में पहली बार अखबार नहीं छप सका

वॉशिंगटन, 25 फरवरी [एजेंसी]। अमेरिका में भीषण तेज हवाओं और भारी बर्फबारी के कारण एयरपोर्ट पर रनवे बंद करने पड़े और कई जगह उड़ानों पर रोक लगानी पड़ी है। यहां रविवार से मंगलवार के बीच 11,055 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई। सिर्फ सोमवार को ही करीब 5,600 से 5,700 उड़ानें कैंसिल हुईं, जो देशभर की उड़ानों का लगभग 20% था। यह जानकारी फ्लाइट ट्रैकिंग कंपनी फ्लाइटअवेयर ने दी। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, रोड आइलैंड और मैसाचुसेट्स के कुछ हिस्सों में लगभग 37 इंच तक बर्फ गिरी। बर्फबारी की वजह से उत्तर-पूर्वी राज्यों में 6 लाख से ज्यादा घरों की बिजली चली गई। सोमवार शाम तक 5 लाख 19 हजार 232 घर और ऑफिस बिना बिजली के थे। भारी बर्फबारी के कारण द बोस्टन ग्लोब अपने 153 साल के इतिहास में पहली बार अखबार नहीं छप सका क्योंकि कर्मचारी प्रिंटिंग प्रेस तक नहीं पहुंच पाए।

वाह वाह

०० पति-पत्नी रेलवे स्टेशन पर खड़े ट्रेन का इंतजार कर रहे थे।

तभी एक गाड़ी आई जिस पर लिखा था...

बॉम्बे मेल- पति भाग कर गाड़ी में चढ़ गया।

बीवी से बोला- जब बॉम्बे फीमेल आये तो तू भी चढ़ जाना।

छत्तीसगढ़ विधानसभा: गिग वर्करों की सुरक्षा पर अजय चंद्राकर ने उठाए सवाल, सरकार का जवाब- केंद्र के नियम का करेंगे इंतजार

रायपुर, 25 फरवरी [एजेंसी]। छत्तीसगढ़ विधानसभा में प्रदेश में कार्यरत गिग वर्कर्रों की स्थिति, उनके अधिकारों और राज्य स्तर पर नियमन की आवश्यकता को लेकर जोरदार चर्चा हुई। भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने प्रश्नकाल के दौरान सरकार से स्पष्ट जवाब मांगा कि स्विगी, जोमैटो, ब्लिंकिट और रैपिडो जैसी कंपनियों में काम कर रहे गिग वर्कर्रों को संगठित मजदूरों की श्रेणी में रखा जाएगा या असंगठित में।

अजय चंद्राकर ने कहा कि इससे पहले उन्होंने आउटसोर्सिंग कंपनियों को लेकर भी सवाल उठाया था, तब भी सरकार ने कहा था कि इस संबंध में कोई स्पष्ट कानून नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज भी वही स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि गिग वर्कर मर रहे हैं और कंपनियां ऐश

कर रही हैं। अजय चंद्राकर ने दस मिनट की डिलीवरी जैसे मॉडल पर सवाल उठाते हुए कहा कि तेज डिलीवरी के दबाव में कई बार गिग वर्कर्रों की जान जा रही है। मानवाधिकार संगठनों द्वारा भी इस मुद्दे पर लगातार चिंता जताई जा रही है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2020 में सामाजिक सुरक्षा संहिता लागू होने के बावजूद अब तक स्पष्ट नियम नहीं बनाए गए हैं। जब तक नियम नहीं बनेंगे, छत्तीसगढ़ के युवा शोषण का शिकार होते रहेंगे। चंद्राकर ने यह भी उल्लेख किया कि वर्ष 2025 में भारत सरकार को नोटिफिकेशन जारी करना पड़ा क्योंकि नियम नहीं बन सके थे, जबकि देश के कई राज्यों ने अपने स्तर पर नियम बना लिए हैं। उन्होंने सरकार से पूछा कि क्या छत्तीसगढ़ समवर्ती सूची के अधिकार का उपयोग करते हुए अपना अलग अधिनियम या नियम बनाने पर विचार करेगा?

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने सदन में जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि फिलहाल गिग वर्कर्रों को न तो संगठित क्षेत्र में रखा गया है और न ही असंगठित क्षेत्र में। उन्होंने बताया कि सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अंतर्गत गिग वर्कर्रों को शामिल किया गया है और जैसे ही भारत सरकार इस संबंध में नियम अधिसूचित करेगी, राज्य सरकार उसका अनुसरण करेगी।

मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने इस विषय पर एक समिति गठित की थी और उसकी प्रक्रिया जारी थी। इसी दौरान भारत सरकार द्वारा चार श्रम संहिताएं लागू की गईं, जिसके बाद राज्य की कार्यवाही केंद्र के अधिनियम के अनुरूप आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने दोहराया कि राज्य में नियम भारत सरकार के अधिनियम के अधीन ही बनाए जाएंगे।

पश्चिम बंगाल की छह अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी से हड़कंप, जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला

कोलकाता, 25 फरवरी [एजेंसी]। पश्चिम बंगाल की छह जिला अदालतों में मंगलवार दोपहर बम की धमकी से हडक़ंप मच गया। कोलकाता के सिटी सिविल एंड सेशंस कोर्ट, बैंकशॉल कोर्ट सहित हुगली जिला के चिनसुराह, पश्चिम बर्दवान के आसनसोल व दुर्गापुर और मुर्शिदाबाद के बेरहामपुर अदालतों को ई-मेल के जरिए बम प्लांट होने की सूचना मिली। इन धमकियों के कारण अदालतों को तुरंत खाली कराया गया और न्यायिक कार्य प्रभावित हुआ। पुलिस ने स्निफर डॉग्स, बम डिस्पोजल स्क्वाड

और अन्य सुरक्षा टीमों को मौके पर भेजा। दोपहर दो बजे तक की तलाशी में कहीं भी कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि ये धमकियां फर्जी या हूक ई-मेल थीं। हालांकि, कई अन्य अदालतों में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

प्रार्थना सभा की आड़ में धर्मांतरण का आरोप, पास्टर समेत 5 आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा, 24 फरवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में मंगलवार को धर्मांतरण के आरोपों को लेकर तनाव की स्थिति बन गई है. पिपरदा भांठा गांव के ग्रामीणों ने प्रार्थना सभा की आड़ में लोगों को प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराए जाने का आरोप लगाया. स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की है. पास्टर समेत 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है. पूरा मामला बम्हनीडीह थाना इलाके का है.

झारखंड के पूर्व सीएम चंपई सोरेन के पोते की मनाली में मौत

मनाली, 25 फरवरी [एजेंसी]। जिला कुल्लू की पर्यटन नगरी मनाली घूमने आए एक युवक की होटल के कमरे में मौत हो गई। साथ आए दोस्तों ने इस बारे होटल कर्मचारियों को सूचित किया। सूचना मिलते ही मनाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी। मृतक युवक झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का पोता तथा बाबू सोरेन का बेटा था। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी मनाली पहुंच गए और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। मनाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिविल अस्पताल मनाली से थाना में सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक को मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया है। उक्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और मृतक युवक वीर सोरेन के शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस टीम के निरीक्षण के दौरान शव पर किसी भी प्रकार के बाहरी चोट

के निशान नहीं पाए गए। मृतक के साथ आए उसके मित्र अग्नय वर्मा निवासी उत्तर प्रदेश ने बताया कि वे 22 फरवरी को मनाली घूमने आए थे तथा वे सभी हिमालयन सैलेट होम स्टे सिमसा मनाली में ठहरे हुए थे।

23 फरवरी को वे सभी सोलंग/सेथन क्षेत्र घूमने गए तथा शाम को पुन: होम स्टे में ठहरे। वे सभी होम स्टे के आसपास घूमकर लगभग 12:30 बजे वापस लौटे तो वीर सोरेन सोया हुआ था। उठाने पर उसने बताया कि उसके सिर में अत्यधिक दर्द हो रहा है। जिस पर साथियों ने ब्लिंकिट के माध्यम से दवाई मंगवाकर उसे दी, जिसके बाद वह पुन: सो गया। दोपहर 2 बजे के करीब कमरे से गिरने की आवाज आई। जब उन्होंने जाकर देखा तो वीर सोरेन बैड से नीचे गिरा हुआ था। उसके बाद वे उसे गाड़ी में सिविल अस्पताल मनाली ले आए। अस्पताल लाते समय उसके मुंह से झाग निकलना शुरू हो गया था। अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा काफी देर तक सीपीआर दी, लेकिन बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया। डीएसपी मनाली केडी शर्मा ने बताया कि पुलिस द्वारा इस मामले में आगामी कार्रवाई की जा रही है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

मोदी ने अमरीका से की देश बेचने की डील, भोपाल में किसान महाचौपाल में राहुल ने लगाया आरोप

भोपाल , 25 फरवरी [एजेंसी]। भारत और अमरीका के बीच हुई ट्रेड डील के विरोध में भोपाल में आयोजित कांग्रेस की किसान महाचौपाल में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमरीका से देश को बेचने की डील की है। उन पर एपस्टीन फाइल्स और अडानी के केस का दबाव है। इस वजह से उन्होंने हिंदुस्तान और किसानों का डाटा अमरीका को बेच दिया। राहुल गांधी ने कहा कि अमरीका से ट्रेड डील चार महीने से रुकी हुई थी। सरकार यह डील नहीं करना चाहती थी, क्योंकि इससे किसानों को बहुत बड़ा नुकसान होने वाला था। फिर जब लोकसभा में मैंने नरवणे की किताब का जिक्र किया और फिर एपस्टीन में हरदीप पुरी का नाम सामने आया, तो लोकसभा से नरेंद्र मोदी भागते हुए गए। आप

गडकरी जी, शिवराज जी से पूछिए। क्या किसी से बात की उन्होंने। नरेंद्र मोदी ने चार महीने कुछ नहीं किया और फिर एकदम ट्रंप को डील के लिए फोन किया और हिंदुस्तान के किसानों को बेच दिया। हमारा सारा डाटा दे दिया। राहुल गांधी ने कहा कि इसका पहला कारण यह है कि अमरीका में एपस्टीन की 30 लाख फाइल पड़ी हैं।

लाखों फाइलों के ईमेल, मैसेज, वीडियो अभी तक रिलीज नहीं किए गए हैं। अमरीका ने मोदी सरकार को धमकाने के लिए हरदीप पुरी का नाम रिलीज कर दिया है। मैसेज साफ था कि अगर हमारी बात नहीं सुनी, तो फाइलों में से सबूत निकलेगा। दूसरा कारण यह है कि अडानी पर अमरीका में क्रिमिनल केस है, वह अमरीका नहीं जा सकते। अडानी, भाजपा और नरेंद्र मोदी का फायनांशियल स्ट्रक्चर हैं। ऐसे में यह केस अडानी पर नहीं, नरेंद्र मोदी और भाजपा पर है। इसी डर से पीएम ने अमरीका से ट्रेड डील की है। नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ पर रोक लगाई है। अब अगर मोदी में हिम्मत है, तो वह ट्रेड डील रद्द करके दिखाएं।

ट्रक और कार के बीच जोरदार टक्कर, चार लोगों की मौत, एक अन्य घायल

अहिल्यानगर, 25 फरवरी [एजेंसी]। महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में अहमदनगर-दौंड राजमार्ग पर कोलगांव में मौली मंदिर के पास मंगलवार को ट्रक और कार की आमने-सामने टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई और एक नाबालिग लड़का घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक अकोले जिले की पातुर तहसील के मालतुर गांव निवासी पायघन परिवार के सदस्य अपने निजी काम से घर लौट रहे थे। वे सोमवार को कार से श्रीगोंडा तहसील के चिम्भाले गांव गए थे। देर रात अपना काम खत्म करने के बाद वे अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान आज सुबह उनकी कार कोलगांव के पास सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। सूचना मिलने के बाद बेलवंडी पुलिस स्टेशन की एक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस कर्मियों ने क्षतिग्रस्त गाड़ी के अंदर फंसे चार लोगों के शवों को बाहर निकाला। मृतकों की पहचान कार चालक नितिन अनिल कोकाटे(22), गजानन जनार्दन पायघन(47), दुर्पा गजानन पायघन(36) और वैभव गजानन (19) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए श्रीगोंडा के ग्रामीण अस्पताल भेजा गया। घायल की पहचान गजानन पायघन, 13, के तौर पर हुई है, उसे पास के हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस आगे की जांच कर रही है।

चुनावों में नोटा का विकल्प लाने से नेताओं में क्या सुधार हुआ, सुप्रीम कोर्ट ने जताया संदेह

नई दिल्ली, 25 फरवरी (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर संदेह जताया है कि चुनावों में नन ऑफ द एबव यानी नोटा का विकल्प लाने से देश में चुने हुए नेताओं में कोई सुधार हुआ है या नहीं।

सभी चुनावों में नोटा ऑप्शन को जरूरी बनाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि भारत में पढ़े-लिखे और अमीर लोगों में वोटिंग में हिस्सा लेना, आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों के मुकाबले बहुत कम है। याचिका में उन सीटों को भी शामिल किया गया है जहां सिर्फ एक ही उम्मीदवार चुनाव लड़ रहा है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा, क्या नोटा से चुने हुए नेताओं की क्वालिटी बेहतर हुई है? क्योंकि इससे हमें पता चलता है कि पढ़े-लिखे, अमीर लोग कम वोट करते हैं और आर्थिक रूप से कमजोर लोग ज्यादा वोट करते हैं।

सीजेआई ने कहा, कभी-कभी हमें लगता है कि हमें कोई ऐसा सिस्टम बनाना चाहिए जो जरूरी हो, लेकिन सख्त न हो, ताकि लोग जाकर वोट दें। यह (सिस्टम) सजा देने वाला न हो।

छत्तीसगढ़ में होली के दिन बंद रहेंगी शराब दुकानें, आबकारी विभाग ने जारी किया आदेश

रायपुर, 25 फरवरी (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में होली पर्व को लेकर राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। होली के दिन प्रदेशभर में सभी शराब दुकानें बंद रहेंगी। इस संबंध में छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार 4 मार्च 2026 को होली त्योहार के अवसर पर पूरे राज्य में शुष्क दिवस (ड्राई डे) घोषित किया गया है।

इस दिन देशी-विदेशी मदिरा की सभी फुटकर दुकानें, बार और शराब से संबंधित अन्य प्रतिष्ठान पूर्ण रूप से बंद रहेंगे। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। किसी भी दुकान के खुले पाए जाने या अवैध रूप से शराब बिक्री करने पर संबंधित संचालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने जिला आबकारी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाएं और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर काम करें। होली के मद्देनजर यह कदम सामाजिक शांति और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है, ताकि त्योहार सौहार्द और सुरक्षित वातावरण में मनाया जा सके। प्रदेशवासियों से भी अपील की गई है कि वे नियमों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण और जिम्मेदारी के साथ होली मनाएं।

खेत में चल रहे सागौन लकड़ियों के अवैध चिरान पर वन विभाग की दबिश, 18 लट्ठे के साथ 2 मजदूर पकड़ाए, मुख्य सरगना फरार

गरियाबंद, 25 फरवरी [एजेंसी]। देवभोग नगर से लगे एक खेत में सागौन लकड़ियों के अवैध चिरान का बड़ा मामला सामने आया है। वन विभाग की टीम ने दबिश देकर मौके से 18 नग सागौन लट्ठा, 2 नग चिरान और 2 आरा जब्त किए हैं। साथ ही लकड़ी काटने में लगे दो मजदूरों को हिरासत में लिया गया है। बिना अनुमति के पिछले एक साल में राजस्व भूमि पर मौजूद 150 से अधिक सागौन पेड़ कटवाकर बेचने वाला मुख्य सरगना मौके से फरार हो गया।

दरअसल, नगर के राजापारा तालाब से महज 1 कीमी दूरी पर मौजूद एक खेत में सागौन पेड़ का अवैध चिरान बना कर बेचने का खेल लंबे समय से चल रहा था। अवैध कारोबार की भनक

लगते ही आज देवभोग रेंजर अश्वनी कुमार मुरचुलिया के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने मौके पर दबिश दिया। जहां दो मजदूर को सागौन लट्ठा का चिरान बनाते रंगे हाथ पकड़ा। मौके पर एक आरोपी बैल जोड़ी से लट्ठा लाते भी दिखा, लेकिन मौका देखकर फरार हो गया। टिम में शामिल डिप्टी रेंजर फिरोज खान,फॉरेस्ट गार्ड लम्बोदर सोरी,केशरी नायक ने सहयोगियों के साथ मिल कार्यवाही शुरू किया। कटिंग करते मिले मजदूर खरत राम,अंगद राम दोनों निवासी पूरनापानी ने लिखित बयान में बताया कि वे देवभोग निवासी बलभद्र नागेश के लिए लंबे समय से काम करते है,उन्हें रोजाना मजदूरी दिया करता था। जिसके बाद फॉरेस्ट की टिम ने मुख्य आरोपी बलभद्र के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम के तहत पीओआर दर्ज की कार्रवाई किया है। टिम ने दिन भर में 4 मर्तबा आरोपी के घर में दबिश दिया, जो नदारद मिला।

रेंजर अश्वनी कुमार मुर्चुलिया ने बताया कि 0.708 घन मीटर के 18 नग लट्ठा और 0.024 घन मीटर के 2 नग चिरान समेत आरा जब्त किया गया है। जब्त इमारती की सरकारी कीमत 40526 आकी गई है। जल्द ही मुख्य आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किया जाएगा। खेतों के आसपास कटे पेड़ों के ठूठ की गिनती कर भू स्वामी को भी नोटिस जारी कर, काटे गए पेड़ के लिए अनुमति की जानकारी ली जाएगी। नियम विरुद्ध पाया गया तो आवश्यक कार्रवाई होगी।

राशन दुकानों में खाद्यान्न का भंडारण और वितरण सुनिश्चित कराएं: कलेक्टर

राशन दुकानों में भंडारण-वितरण की समीक्षा करने एसडीएम को दिए निर्देश, तेंदूपत्ता संग्रहण हेतु आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने वन विभाग को दिए निर्देश

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने समय-सीमा की बैठक लेकर विभागीय कामकाजों की समीक्षा की। उन्होंने फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन में प्रगति लाने के निर्देश दिए और टीएल के लंबित प्रकरणों को निराकरण कर जानकारी प्रस्तुत करने कहा। बैठक में कलेक्टर ने शासकीय उचित मूल्य दुकानों में खाद्यान्न वितरण न होने की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए खाद्य विभाग-नॉन को निर्देशित किया कि राशन दुकानों में भंडारण समय पर होने के साथ हितग्राहियों को खाद्यान्न प्राथमिकता से वितरित हो। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को खाद्य निरीक्षकों की बैठक लेकर समीक्षा करने और खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने राशन दुकान में खाद्यान्न का गबन करने वालों पर कड़ी कार्यवाही के निर्देश भी दिए।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्री दुदावत ने जिले के सभी पीएमश्री विद्यालयों में नियुक्त नोडल अधिकारियों को विद्यालय का भ्रमण कर उपलब्ध सुविधाओं का मूल्यांकन करने और आवश्यकताओं की सूची तैयार कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को पीएमश्री विद्यालय में गुणवत्ता सुधार के साथ उत्कृष्ट विद्यालय बनाने की दिशा में योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने नोडल अधिकारियों को भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों से चर्चा कर उनकी आवश्यकताओं को भी ध्यान रख रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री दुदावत ने ग्रीष्म ऋतु में प्रारंभ होने वाले तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य हेतु वन विभाग को 7 दिवस के भीतर आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने संग्राहक सर्वेक्षण, कार्ड वितरण, बीमा, फड़ मुंशी की नियुक्ति, अभिरक्षकों की नियुक्ति के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को पारिश्रमिक भुगतान उनके खाते में ही 48 घंटे के भीतर ऑनलाइन करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी संग्राहकों के बैंक खाते समय पर खुल जाएं, यह सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने अनुच्छेद 275(1) के अंतर्गत आदिवासी व ग्रामीण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण विकास कार्यों से संबंधित कार्ययोजना तैयार कर 15 अप्रैल से पूर्व शासन को प्रेषित करने के निर्देश सभी जनपद सीईओ और संबंधित विभागों को दिए। उन्होंने जिला योजना समिति से अनुमोदन पश्चात वार्षिक, तीन वर्षीय, पंचवर्षीय कार्ययोजना तैयार कर इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, आवागमन, कृषि, पशुपालन, ईको-पर्यटनदूहोमस्टे, पीवीटीजी बसाहटों में विकास कार्य आदि को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जिले के नेटवर्क-विहीन क्षेत्रों में डिजिटल भारत के तहत मोबाइल टॉवर स्थापना के लिए 5 मार्च तक जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में सभी जनपद सीईओ को आदिवासी परंपरा और संस्कृति वाले पूजा स्थल को विकसित करने हेतु स्थानों को चिन्हित करते हुए कार्ययोजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय निकायों के सीएमओ को पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत आवेदकों के ऋण 28 फरवरी तक स्वीकृत कराने, कृषि विभाग को सात दिवस के भीतर लंबित ई-केवाईसी पूर्ण करने, पीएचई-जनपद सीईओ को बलसेन्धा-माली कछार में हैंडपंप लगाने, ग्राम पंचायत देवपहरी के अंतर्गत आने वाले बसाहट में पेयजल उपलब्धता सुनिश्चित करने, विद्युत विभाग को पीएम सूर्यघर योजना के इंस्टालेशन में प्रगति लाने, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को स्वास्थ्य केंद्र में शिविर लगाकर आयुष्मान, वयोवंदन कार्ड, आभा आईडी बनाने के साथ ही सिकलसेल, गैर-संचारी रोग, डायबिटीज, हाइपरटेंशन की शत-प्रतिशत जांच सुनिश्चित करने, महिला एवं बाल विकास विभाग को मातृत्व वंदना योजना में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने आदि कर्मयोगी अंतर्गत सभी विभागों के अधिकारियों को प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने डीएमएफ अंतर्गत शिकायत के निराकरण के लिए टोल-फ्री नंबर जारी करने, शिकायतों को पंजी में संधारण करने, नदी व पुल के नीचे होने वाले अवैध उत्खनन को रोकने कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिए।

जियो टैगिंग के पश्चात हितग्राहियों को भुगतान सुनिश्चित करें–कलेक्टर श्री दुदावत ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी और ग्रामीण) अंतर्गत आवास निर्माण के पश्चात हितग्राहियों के खाते में राशि भुगतान के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जनपद सीईओ और नगरीय निकाय के सीएमओ को समीक्षा कर भुगतान की जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पीएम आवास योजना की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम जनमन अंतर्गत आवासों को 31 मार्च तक पूर्ण करने, पीएम आवास योजना शहरी क्षेत्रों के स्वीकृत कार्यों को प्रारंभ करने के निर्देश दिए।

अत्याधुनिक वृद्धाश्रम हेतु प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश–कलेक्टर ने भारत सरकार की मंशा अनुरूप उप-संचालक समाज कल्याण विभाग को जिले में अत्याधुनिक वृद्धाश्रम हेतु प्रस्ताव तैयार कर शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए।

6 राज्य, 15 कवि सम्मेलन, धूम मचाएंगे कवि हीरामणी वैष्णव

कोरबा (छ.ग.गौरव)। अब तक छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, बिहार, तेलंगाना, राजस्थान, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल सहित देश के 13 भिन्न-भिन्न राज्यों में पहले ही प्रस्तुति दे चुके ऊर्जाधानी ही नहीं वरन पूरे प्रदेश के गौरव होनहार हास्य कवि हीरामणी वैष्णव अब दो नए राज्य हरियाणा और झारखंड में भी प्रस्तुति देकर आयाम नवकीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। वेदांता समूह अधिकृत भारत एलुमिनियम कंपनी लिमिटेड में कार्यरत छत्तीसगढ़ युवा साहित्य रत्न से सम्मानित श्री वैष्णव इस होली पर 6 अलग-अलग राज्यों के विभिन्न शहरों में कुल 15 कवि सम्मेलनों में प्रस्तुति देंगे। जिसमें मुख्य रूप से 25 फरवरी को मैनपुरी (उत्तरप्रदेश), 27 फरवरी को ठाणे (महाराष्ट्र), 28 फरवरी को मुंबई (महाराष्ट्र), 01 मार्च को जालना (महाराष्ट्र), 02 मार्च को मुंबई (महाराष्ट्र), 03 मार्च को महेंद्रगढ़ (हरियाणा), 05 मार्च को पुणे (महाराष्ट्र), 07 मार्च को लखनऊ (उत्तरप्रदेश), 08 मार्च को बाराबंकी (उत्तरप्रदेश), 09 मार्च निवाड़ी-ओरछा (मध्यप्रदेश), 13 मार्च को परसवाड़ा-बालाघाट (मध्यप्रदेश), 19 मार्च को कटघोरा (छत्तीसगढ़), 21 मार्च को जमशेदपुर (झारखंड), 22 मार्च को रांची (झारखंड) शामिल है। ज्ञात हो कि सोशल मीडिया सहित देशभर में वायरल कवि हीरामणी वैष्णव के तीन लाख से अधिक फॉलोवर्स और 100 से अधिक वीडियोज़ पर मिलियन व्यूज़ हैं। जबकि उन्होंने अभी तक 500 से अधिक कवि सम्मेलनों और कॉमेडी शो के अलावा शेमारू टीवी के प्रसिद्ध शो वाह भाई वाह में भी प्रस्तुति देकर बालको, कोरबा और छत्तीसगढ़ का झंडा बुलंद किया है।

वाहन की ठोकर से ट्रांसफार्मर की सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त

कोरबा (छ.ग.गौरव)। वाहन की ठोकर से ट्रांसफार्मर की सुरक्षा दीवार टूट गई, जिससे हादसे का खतरा बढ़ गया है। शहर के आरपीनगर फेस-1 में दशहरा मैदान में नवरात्रि, गणेश चतुर्थी समेत अन्य मौके पर कार्यक्रम होते हैं जिसमें लोगों की जमकर भीड़ रहती है। नवरात्रि व दशहरा के दौरान मेला जैसा माहौल रहता है। मैदान के पास ही लगे ट्रांसफार्मर से किसी तरह का हादसा न हो इसके लिए चारों ओर सुरक्षा दीवार खड़ी की गई है। किसी वाहन के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए एक ओर के दीवार को टक्कर मार दी। दीवार टूटकर गिरी तो वहां मौजूद कुत्ते के 3 पिल्ले की दबने से मौत हो गई। आसपास बच्चे भी खेलते रहते हैं, ऐसे में दीवार टूटे होने से ट्रांसफार्मर के लटकते तारों से अब खतरा बढ़ गया है।

शहर में दो दिन चलेगा स्वच्छता का महाअभियान

महापौर के मार्गदर्शन एवं आयुक्त के दिशा निर्देशन में मेगा स्वच्छता ड्राईव का वार्डवार होगा संचालन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के मार्गदर्शन एवं आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में नगर पालिक निगम केारबा द्वारा 25 फरवरी से स्वच्छता का महाअभियान संचालित किया जाएगा, जो 14 अप्रैल तक निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वार्ड एवं बस्तियों में चलाया जाएगा। प्रतिदिन प्रात: 07 बजे अभियान शुरू होगा, जो कार्य समाप्ति तक जारी रहेगा। व्यापक साफ-सफाई कार्यों के साथ-साथ इस दौरान सडक, फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने, स्ट्रीट लाईट की मरम्मत करने व जल आपूर्ति संबंधी शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित किए जाने का कार्य भी एक अभियान के रूप में संचालित होगा।

आयुक्त श्री पाण्डेय ने मेगा स्वच्छता ड्राईव के संचालन हेतु निगम के वार्डवार नोडल अधिकारियों का दायित्व सौपा गया है, इसमें इस बात का ध्यान रखा गया है कि जोन कमिश्नरों या संबंधित अधिकारियों को उनके जोन का नोडल अधिकारी न बनाकर दूसरे जोन के वार्डो का नोडल अधिकारी बनाया जाए ताकि वे पूरी जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन धरातलीय स्तर पर करें। स्वच्छता महाअभियान के लिए निर्धारित कार्यक्रम अनुसार 25 फरवरी को वार्ड क्र. 01 रामसागरपारा व वार्ड क्र. 04 राताखार, 26 फरवरी को वार्ड क्र. 23 बुधवारी क्र. 01 व वार्ड क्र. 27 महाराणा प्रतापनगर, 27 फरवरी को वार्ड क्र. 39 रिसदा व वार्ड क्र. 49 हसदेव क्र. 02, 28 फरवरी को वार्ड क्र. 02 पटेलपारा, वार्ड क्र. 03 साकेतनगर, 02 मार्च को वार्ड क्र. 24 बुधवारी क्र. 02, वार्ड क्र. 26 रविशंकर शुक्लनगर, 05 मार्च को वार्ड क्र. 44 नेहरूनगर, वार्ड क्र. 53 चोरभट्ठी, 06 मार्च को वार्ड क्र. 05 देवांगनपारा, वार्ड क्र. 17 छ.ग.रा.वि.मं. कं. 01, 11 मार्च को वार्ड क्र. 36 कोसाबाड़ी, वार्ड क्र. 28 एसईसीएल कालोनी क्र. 01, 12 मार्च को वार्ड क्र. 40 पाड़ीमार क्र. 01, वार्ड क्र. 54 जमनीपाली, 13 मार्च को वार्ड क्र. 06 पुरानी बस्ती, वार्ड क्र. 15 परिवहन नगर, 14 मार्च को वार्ड क्र. 25 शिवाजीनगर, वार्ड क्र. 29 मुड़ापार, 16 मार्च को वार्ड क्र. 41 पाड़ीमार क्र. 02, वार्ड क्र. 56 शक्तिनगर क्र. 01, 17 मार्च को वार्ड क्र. 07 धनुहारपारा, वार्ड क्र. 16 पम्प हाउस, 18 मार्च को वार्ड क्र. 20 छ.ग.रा.वि.मं. क्र. 02, वार्ड क्र. 30 एसईसीएल कालोनी क्र. 02, 19 मार्च को वार्ड क्र. 45 परसाभांठा, वार्ड क्र. 48 हसदेव क्र. 01, 20 मार्च को वार्ड क्र. 08 मोतीसागरपारा, वार्ड क्र. 18 कोहड़िया, 23 मार्च को वार्ड क्र. 35 खरमोरा वार्ड, वार्ड क्र. 33 मानिकपुर, 24 मार्च को वार्ड क्र. 42 बालकोनगर, वार्ड क्र. 57 शक्तिनगर क्र. 02, 25 मार्च को वार्ड क्र. 09 इमलीडुग्गू, वार्ड क्र. 37 रामपुर, 27 मार्च को वार्ड क्र. 34 दादरखुर्द, वार्ड क्र. 43 कैलाशनगर वार्ड, 28 मार्च को वार्ड क्र. 50 हसदेव क्र. 03, वार्ड क्र. 10 भिलाईखुर्द, 30 मार्च को वार्ड क्र. 21 छ.ग.रा.वि.मं. क्र. 03, वार्ड क्र. 47 रूमगरा, 31 मार्च को वार्ड क्र. 59 दर्रीखार क्र. 01, वार्ड क्र. 11 सीतामणी, 02 अप्रैल को वार्ड क्र. 31 आरपीनगर, वार्ड क्र. 46 बेलगिरी बस्ती, 03 अप्रैल को वार्ड क्र. 51 स्याहीमुड़ी, वार्ड क्र. 12 नई बस्ती, 04 अप्रैल को वार्ड क्र. 32 पोड़ीबहार वार्ड, वार्ड क्र. 38 लालघाट, 06 अप्रैल को वार्ड क्र. 52 अयोध्यापुरी, वार्ड क्र. 13 शारदा विहार, 07 अप्रैल को वार्ड क्र. 22 कांशीनगर, वार्ड क्र. 64 इमलीछापर, 08 अप्रैल को वार्ड क्र. 14 अमरैयापारा, वार्ड क्र. 19 पथरीपारा, 09 अप्रैल को वार्ड क्र. 60 दर्रीखार क्र. 02, वार्ड क्र. 61 वैशालीनगर, 10 अप्रैल को वार्ड क्र. 58 सरदार वल्लभभाई पटेल नगर, वार्ड क्र. 62 सर्वमंगला नगर, 11 अप्रैल को वार्ड क्र. 67 बलगीखार, वार्ड क्र. 63 विकास नगर, 13 अप्रैल को वार्ड क्र. 55 सुमेधा, वार्ड क्र. 66 डगनियाखार एवं 14 अप्रैल को वार्ड क्र. 65 भैरोताल में विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा।

आयुक्त ने की आमजन से अपील - आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा है कि निगम द्वारा जिस दिन जिस वार्ड में स्वच्छता अभियान संचालित किया जाए, वहॉ के नागरिकबंधु प्रात: 07 बजे से 10 बजे तक निगम के इस महाअभियान में शामिल होकर स्वच्छता कार्यो में अपनी सहभागिता प्रदान करें तथा अपने कोरबा शहर को साफ-सुथरा रखने में अपना सहयोग दें।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे, आपको काफी समय से चल रही किसी स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या से छुटकारा मिलेगा। आज किसी भी व्यक्ति के लिए प्रतिशोध की भावना न रखें। जैसी आपकी सोच रहेगी, वैसे ही अनुभव मिलेंगे। आज आपको जिद से बचना होगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज सभी जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे। पिता ने व्यापार में जो जिम्मेदारियां दी हुई हैं उसे आप आसानी से निभा लेंगे। इस राशि के जो लोग फर्नीचर का व्यापार कर रहे हैं, उन्हें उम्मीद से ज्यादा फायदा होगा। परिवार में सभी आपके व्यवहार से खुश रहेंगे।

मिथुन राशि : कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में आज आपको शांत मन से सोचने की जरूरत है, परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। आज भाई अपने काम में आपकी मदद मांगेंगे। समाज में आज आप अपने बढ़िया कार्यों के कारण पहचाने जायेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहें छात्रों को सीनियर्स का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य समस्याओं के कारण थोड़ी उलझने हो सकती, लेकिन जल्द ही सब ठीक होगा।

कर्क राशि : आज का दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आएगा। आज आप अपना ध्यान किसी रचनात्मक कार्य में लगायेंगे, जिससे आपका अनुभव और अधिक बढ़ेगा। कुछ विरोधी आपके काम में समस्याएं डालने की कोशिश कर सकते हैं। जीवनसाथी के प्रति आपको अपना स्वभाव सुधारना होगा। किसी को उधार देने से पहले सोच-विचार करना अच्छा रहेगा।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव साराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है, इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको पैसों की जरूरत पड़ सकती है। आज आपको बेवजह की उलझने लेने से बचने की जरूरत है। सामाजिक तौर पर आप बहुत सक्रिय रहेंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होने से उलझन होगी, लेकिन बाद में अच्छा लाभ मिलने से उनकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा। आपका किसी नए वाहन को खरीदने का सपना आज पूरा होगा। आप आज किसी से अपने मन की बातों को शेयर करेंगे और वह आपकी बातों को अहमियत देगा।

तुला राशि :आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। पैसों का उपयोग सही तरीके से करेंगे। जीवन में संतुलन बनाए रखने की कोशिश करेंगे। आज कामों को सही तरीके से पूरा करने की कोशिश करें। आपको अपने पद और आय को एक समान या बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। लोगों की नजरों में आपकी पॉजिटिव इमेज बनेगी। एक साथ कई काम हाथ लगने से आपको समझ नहीं आएगा कि किसे पहले करूं और किसे बाद में। कंप्यूटर के स्टूडेंट्स को कुछ अच्छा सीखने का मौका मिलेगा। आज आप नई जिम्मेदारी लेने में थोड़ा संकोच करेंगे। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। दोस्तों के साथ पुरानी बाते याद करते हुए समय बितायेंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज का दिन तरक्की के नए नये मार्ग खोलेगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखें, जल्द ही आपको परीक्षा में सफलता हासिल होगी। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों को आज प्रमोशन मिल सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं, जहां आप तोल मोलकर बोले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगें बढाने के लिए कुछ ऐसी योजनाएं बनाएंगे, जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा। परिवारिक समस्याओं को सॉल्व करने में बड़े-बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा। पिता से आज आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा।

कुंभ राशि : आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते है वह आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे। लवमेट आज साथ में समय बितायेंगे। रुका हुआ पैसा आपको वापस मिलेगा। आज आपके कार्यों की प्रशंसा दूर-दूर तक लोगों में इत्र की तरह महकेगी। आप सफलता की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ जायेंगे।

मीन राशि : आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है। जिसके लिये आपको ओवर टाईम करना पड़ेगा। रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही नहीं करेंगे तो नुकसान से बच जायेंगे। टूर-एंड-ट्रेवल्स संबंधी कार्यों में अच्छा लाभ होगा। आज अपको किसी करीबी से ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा। माता आज अपने बच्चों को कुछ मीठा बना के खिला सकती हैं।

आगामी नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने न्यायिक अधिकारियों की ली प्रथम बैठक

कोरबा (छ.ग.गौरव)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार दिनांक 14 मार्च 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। इसी क्रम में उक्त तिथि को जिला न्यायालय कोरबा, तहसील विधिक सेवा समिति कटघोरा, करतला एवं पाली सहित समस्त राजस्व न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत में समस्त राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, बैंक प्रकरण, लिखत पराक्रम्य अधिनियम की धारा 138 के प्रकरण, वसूली के प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण तथा अन्य व्यवहार वादों को रखा जाएगा।

संतोष शर्मा, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के मार्गदर्शन में नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरण, विशेष रूप से 5 से 10 वर्ष से अधिक अवधि से लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर समझौता हेतु रखने तथा अधिकतम निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से न्यायिक अधिकारियों की प्रथम बैठक जिला न्यायालय परिसर स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में आयोजित की गई।

इस बैठक में जयदीप गर्ग, विशेष न्यायाधीश (एससी/एसटी एक्ट) कोरबा, श्रीमती गरिमा शर्मा, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश कोरबा, डॉ. ममता भोजवानी, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश एफटीएससी (पॉक्सो) कोरबा, सुश्री सीमा प्रताप चंदा, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश (एफटीसी) कोरबा, कु. मयुरा गुप्ता, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोरबा, सत्यानंद प्रसाद, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी कोरबा, कु. डॉली ध्रुव, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी कोरबा, कु. कुमुदनी गर्ग, प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ श्रेणी कोरबा तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा उपस्थित रहे। इसी प्रकार, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बाह्य न्यायालय कटघोरा, करतला एवं पाली में पदस्थ न्यायाधीशगण भी बैठक में सम्मिलित हुए।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा आम जनता से अपील की गई है कि जिन पक्षकारों के प्रकरण समझौते के आधार पर निराकरण योग्य हैं, वे अपने लंबित प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत में रखने हेतु संबंधित न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर लाभान्वित हो सकते हैं।

प्रशासन को गुमराह करना पड़ा महंगा, कार्यपालन अभियंता निलंबित

कोरबा (छ.ग.गौरव)। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए कार्यपालन अभियंता (परियोजना) संभाग कोरबा में पदस्थ जितेन्द्र कुमार सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही तथा जिला प्रशासन को गुमराह करने के कदाचार के आरोप में यह कार्रवाई की गई है।

निलंबन अवधि के दौरान जितेन्द्र कुमार सिंह का मुख्यालय मुख्य अभियंता (अंचल क्षेत्र) कार्यालय अंबिकापुर निर्धारित किया गया है। कंपनी के नियमों के अनुसार निलंबन अवधि में उन्हें जीवन निर्वाह भत्ता प्रदान किया जाएगा। यह आदेश मुख्य अभियंता (मानव संसाधन), छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड रायपुर द्वारा सक्षम अनुमोदन के बाद जारी किया गया है। आदेश की प्रतिलिपि कार्यपालक निदेशक रायपुर एवं बिलासपुर, मुख्य अभियंता परियोजना, अधीक्षण अभियंता कोरबा-बिलासपुर सहित संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है। बताया जा रहा है कि प्रशासन को गलत जानकारी दिए जाने के मामले को गंभीरता से लेते हुए कंपनी ने यह कार्रवाई की है।

रेत खदानों में लगाया गया डिसप्ले, आम नागरिकों को मिल सकेगी जानकारी

अवैध उत्खनन रोकने हेतु टीम सक्रिय, मोबाइल नम्बर पर की जा सकती है शिकायत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। कलेक्टर कुणाल दुदावत के निर्देश पर खनिज विभाग द्वारा जिला कोरबा में स्वीकृत सभी 20 रेत खदानों पर आवश्यक व्यवस्थाओं का सुदृढ़ीकरण कर लिया गया है। प्रत्येक रेत खदान के मुख्य मार्ग तथा खदान क्षेत्र के समीप उत्खनन-पट्टा विवरण की पट्टिकाएँ स्थापित की गई हैं, जिससे आम नागरिकों को खदान की स्वीकृति, संचालन और संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी सरलता से उपलब्ध हो सके। खदान क्षेत्र के दोनों ओर प्रारंभिक सीमा और अंतिम सीमा बिंदुओं पर स्पष्ट बोर्ड लगाए गए हैं, जिससे खदान की परिसीमा स्पष्ट रूप से चिह्नित रहे और अनधिकृत गतिविधियों को रोका जा सके। इसके साथ ही खदान क्षेत्र में दिशा-सूचक पट्टिकाएँ भी स्थापित कर दी गई हैं, जिससे स्थल पर निरीक्षण और आवागमन सुगम हो सके।

उप संचालक खनिज विभाग प्रमोद कुमार नायक ने बताया कि रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने हेतु जिला प्रशासन द्वारा निगरानी व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।

आम नागरिक किसी भी प्रकार की सूचना या शिकायत रेत खदानों से संबंधित अवैध गतिविधियों के बारे में नीचे दिए गए मोबाइल नंबरों में प्रेम राजपूत- 8770924807, संजू लहरे- 8839538188, छतसिंह खैरवार-9753266726, श्रावकुमार श्रीवास- 7447063227 पर सम्पर्क कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध उत्खनन या परिवहन संबंधी सूचना प्राप्त होते ही तत्काल कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सुशासन की स्थापना में सहयोग प्रदान करते हुए किसी भी अवैध गतिविधि की सूचना त्वरित रूप से उपलब्ध कराएँ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के मौके पर नीदरलैंड के प्रधानमंत्री डिक शूफ से मुलाकात की।

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक्सरसाइज मिलन के उद्घाटन के दौरान केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी और वाइस एडमिरल संजय भल्ला।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक्सरसाइज मिलन के उद्घाटन के दौरान 74 देशों के नेवी चीफ और हेड्स ऑफ डेलीगेशन को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के मौके पर फ्रांस के राष्टपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की।

महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर नई दिल्ली में यूरोपीय संसद की महिला अधिकार और लैंगिक समानता समिति के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक करती हुई.

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, नई दिल्ली में 'एक दिन में एक पौधा' पहल कार्यक्रम के पांच साल पूरे होने पर मीडिया से बातचीत करते हुए।

गाजा के पुनर्निर्माण का मेगा प्लान, ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस में किया 7 अरब डॉलर जुटाने का ऐलान

वाशिंगटन, 25 फरवरी [एजेंसी]। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन में अपने नवनिर्मित बोर्ड ऑफ पीस की पहली बैठक को संबोधित करते हुए गाजा के लिए बड़े आर्थिक और सुरक्षा रोडमैप की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि गाजा पुनर्निर्माण के लिए अब तक सात अरब डॉलर जुटाए जा चुके हैं।उन्होंने यह भी घोषणा की कि अमेरिका इस बोर्ड के लिए 10 अरब डालर का योगदान देगा। इसके अतिरिक्त, संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता के लिए दो अरब डॉलर देगा, जबकि फीफा फुटबाल से जुड़ी परियोजनाओं के लिए 7.5 करोड़ डॉलर खर्च करेगा। आईएसएफ में अपनी सेना भेजेंगे पांच देश गाजा में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक इंटरनेशनल स्टेबलाइजेशन फोर्स की योजना तैयार की गई है। फोर्स के कमांडर मेजर जनरल जैस्पर जेफर्स ने पुष्टि की कि इंडोनेशिया, मोरक्को, कजाकिस्तान, कोसोवो और अल्बानिया

ने अपने सैनिक भेजने की प्रतिबद्धता जताई है।शुरुआती चरण में यह बल दक्षिणी गाजा के राफा में तैनात होगा। मिस्त्र और जार्डन स्थानीय पुलिस को प्रशिक्षित करेंगे। भविष्य में 20 हजार अंतरराष्ट्रीय सैनिक और 12 हजार प्रशिक्षित पुलिसकर्मी तैनात करने का लक्ष्य है। हालांकि, सबसे बड़ी चुनौती हमास का निशस्त्रीकरण है। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि पुनर्निर्माण कार्य हमास के हथियार डालने के बाद ही गति पकड़ेगा। इस बैठक में एक विवादास्पद पहलू यह रहा कि बोर्ड में फलस्तीनी प्रतिनिधियों को शामिल नहीं किया गया है। इसके बावजूद, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने इस पहल को अंतिम विकल्प बतायारुबियो ने कहा, गाजा के लिए हमारे पास कोई प्लान-बी नहीं है। प्लान-बी का मतलब है फिर से युद्ध की ओर लौटना, और यहां कोई भी ऐसा नहीं चाहता। यह बोर्ड अब केवल गाजा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ट्रंप की योजना के अनुसार इसे भविष्य में वैश्विक संघर्षों को सुलझाने के लिए विस्तारित किया जाएगा।

शांति बोर्ड में चीन-रूस को भी शामिल करना चाहते हैं ट्रंप, दुनिया की राजनीति में नई हलचल

वाशिंगटन, 25 फरवरी [एजेंसी]। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शांति बोर्ड की उद्घाटन बैठक आयोजित करते हुए, इसमें चीन और रूस को शामिल करने की अपनी इच्छा व्यक्त की। इस बोर्ड की पहली बैठक वॉशिंगटन डीसी में हुई, जिसमें 40 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। ट्रंप ने कहा कि वे चाहते हैं कि चीन और रूस भी इस बोर्ड में शामिल हों। दोनों देशों को न्योता भेज दिया गया है, लेकिन अभी तक उन्होंने शामिल होने पर कोई फैसला नहीं किया है। ट्रंप ने यह भी बताया कि उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं और वे अप्रैल में चीन का दौरा करने वाले हैं।

संयुक्त राष्ट्र पर भी नजर रखेगा बोर्डट्रंप ने कहा कि यह नया शांति बोर्ड संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के कामकाज पर भी नजर रखेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि वह सही तरीके से काम करे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका यूएन को आर्थिक मदद देगा ताकि उसकी हालत मजबूत हो सके। इसके साथ ही बैठक में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका इस शांति बोर्ड के काम

के लिए 10 अरब डॉलर देगा। शुरुआत में यह शांति बोर्ड गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण और शांति प्रयासों पर ध्यान देगा।भारत-पाकिस्तान का नाम लेने से बाज नहीं आ रहे ट्रंपवहीं, बोर्ड ऑफ पीस की बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने हमारे चीफ ऑफ स्टाफ के सामने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और हमारे बीच युद्ध रोककर 2 करोड़ लोगों की जान बचाई। युद्ध भयंकर था, विमानों को मार गिराया जा रहा था। बकौल ट्रंप ने कहा, 'मैंने दोनों (पीएम मोदी और शहबाज शरीफ) से फोन पर बात की। मैं प्रधानमंत्री मोदी को बहुत अच्छी तरह जानता था...' मैंने उन्हें फोन किया और कहा, अगर दोनों देश इस मामले को नहीं सुलझाते तो अमेरिका कोई व्यापारिक समझौता नहीं करेगा... मैंने कहा, अगर दोनों देश लड़ते रहे तो मैं दोनों देशों पर 200 प्रतिशत टैरिफ लगा दूंगा। दोनों ही लड़ना चाहते थे, लेकिन जब पैसे और भारी नुकसान की बात आई, तो उन्होंने कहा कि हम लड़ना नहीं चाहते... पैसा ही सब कुछ होता है। टकराव के दौरान 11 लड़ाकू विमान मार गिराए गए, ये बहुत महंगे जेट विमान थे। किन देशों ने हिस्सा नहीं लिया?ट्रंप के अनुसार, शांति बोर्ड का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय संघर्ष समाधान तंत्र को मजबूत करना और वैश्विक संकटों से निपटने के लिए सहयोग बढ़ाना है। इस बैठक में 40 से अधिक देशों के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया, लेकिन फ्रांस, ब्रिटेन, रूस और चीन सहित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रमुख सदस्य शामिल नहीं हुए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यूरोपीय संघ ने बोर्ड में सीट न लेने का विकल्प चुना है।पर्यवेक्षक के रूप में बैठक में शामिल रहा भारत!खबरों के मुताबिक, भारत ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के 'बोर्ड ऑफ पीस' की उद्घाटन बैठक में भाग लिया। ट्रंप ने गाजा में युद्धविराम की निगरानी और हमास-इस्त्राइल के बीच युद्ध से तबाह हुए गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिए इस संस्था का गठन किया है। भारत, जो अभी तक बोर्ड ऑफ पीस का सदस्य नहीं बना है, ने एक पर्यवेक्षक देश के रूप में बैठक में भाग लिया। पीटीआई ने डोनाल्ड ट्रंप इंस्टीट्यूट ऑफ पीस में आयोजित बैठक में उपस्थित लोगों की सूची का हवाला देते हुए बताया कि भारत का प्रतिनिधित्व वाशिंगटन डीसी स्थित भारतीय दूतावास के उपराजदूत नामग्या खम्पा ने किया। बता दें कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन कई वैश्विक नेताओं में शामिल थे जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति ने गाजा पट्टी में इस्त्राइल और हमास के बीच युद्धविराम समझौते के दूसरे चरण के तहत घोषित बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था।

शांति बोर्ड में कौन-कौन शामिल?राष्ट्रपति ट्रंप ने सितंबर में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए 20 सूत्री गाजा युद्धविराम योजना के दूसरे चरण के तहत शांति बोर्ड का प्रस्ताव रखा था। इस बोर्ड के शुरुआती एग्जिक्यूटिव सदस्यों में ट्रंप के दामाद जेरेड कुश्नर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर शामिल हैं।

खाड़ी में ताकत का प्रदर्शन क्यों: चेतावनी के बीच ईरान-रूस का संयुक्त अभ्यास शुरू, ट्रंप की सख्ती से बढ़ा तनाव

वाशिंगटन, 25 फरवरी [एजेंसी]। काहिरा ट्रंप की 15 दिन की चेतावनी के बीच ईरान और रूस ने ओमान की खाड़ी में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास किया। ड्रिल में हाईजैक जहाज छुड़ाने का ऑपरेशन और कई युद्धपोत शामिल रहे। अमेरिका ने विमानवाहक पोत तैनात कर दबाव बढ़ाया है। सीमित हमले की अटकलें भी तेज हैं।पश्चिम एशिया में तनाव तेज है। एक ओर ट्रंप ने ईरान को परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिए 10 से 15 दिन का अल्टीमेटम दिया है, दूसरी ओर ईरान और रूस ने ओमान की खाड़ी और उत्तरी हिंद महासागर में संयुक्त नौसैनिक अभ्यास किया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ाई जा रही है।यह अभ्यास उसी सप्ताह हुआ जब आईआरजीसी ने होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में ड्रिल की थी। उस दौरान रणनीतिक जलमार्ग कुछ समय के लिए बंद भी किया गया था। यह मार्ग वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए अहम है। संयुक्त अभ्यास को क्षेत्रीय शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।ट्रंप का अल्टीमेटमट्रंप ने एयर फोर्स वन में कहा कि ईरान के पास डील के लिए 10 से 15 दिन हैं, इसके बाद 'बहुत बुरी चीजें' हो सकती हैं। पिछले सप्ताह उन्होंने यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड को मिडिल ईस्ट भेजने का आदेश दिया। इससे पहले यूएसएस अब्राहम लिंकन क्षेत्र में मौजूद है। अमेरिकी वायु और नौसैनिक ताकत में हाल के दिनों में बढ़ोतरी हुई है।हमले की अटकलेंकुछ रिपोर्टों में दावा है कि वार्ता विफल होने पर हमले की संभावना बढ़ सकती है। एक आकलन में इसे 90 प्रतिशत तक बताया गया। सीमित सैन्य हमले के विकल्प पर भी चर्चा की खबरें हैं, जिनमें परमाणु और मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाने की बात कही गई। ऐसे में कूटनीति और सैन्य तैयारी साथ-साथ चल रही हैं और क्षेत्र में तनाव ऊंचा बना हुआ है।

चीन खुद का ही नहीं .. दुनिया का भी नुक्सान कर रहा है, आईएमएफ की ड्रैगन को चेतावनी; रणनीति में बदलाव करने का कहा

बीजिंग ,25 फरवरी । अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने चीन को उसकी आर्थिक नीतियों को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। वैश्विक निकाय ने कहा है कि मौजूदा नीतियां न केवल चीन की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही हैं, बल्कि अन्य देशों पर भी नकारात्मक प्रभाव डाल रही हैं। ढ्ढरूस्न ने चीन से घरेलू उपभोक्ता खर्च पर आधारित विकास मॉडल अपनाने और अपनी रणनीति में बदलाव करने का आग्रह किया है।आईएमएफ द्वारा जारी एक रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, 18 फरवरी को चीनी अर्थव्यवस्था की वार्षिक समीक्षा के दौरान ढ्ढरूस्न के कार्यकारी निदेशकों ने यह बयान जारी किया। समीक्षा में चीन के बड़े चालू खाता अधिशेष पर चिंता जताई गई, जिसका उसके व्यापारिक साझेदार देशों पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।आईएमएफ ने कहा कि चीन का अधिशेष बहुत बड़ा है। युआन (रेनमिन्बी) की कमजोर कीमत से चीनी निर्यात को लाभ मिल रहा है, लेकिन घरेलू मांग कमजोर हो रही है और आयात में कमी आ रही है। बढ़ता डिफ्लेशन भी चीन के लिए चिंता का विषय बताया गया है।इससे पहले त्रश्वद्यस्त्रद्वड्डह्ठ स्ड्डष्द्धह्य के अर्थशास्त्रियों ने भी चीन की आर्थिक नीतियों के वैश्विक असर को लेकर चेतावनी दी थी। पिछले साल नवंबर में जारी एक विश्लेषण में कहा गया था कि चीन की बढ़ती निर्यात क्षमता का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अब ढ्ढरूस्न ने भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया है।रिपोर्ट के मुताबिक, ढ्ढरूस्न ने कहा कि चीन की मौजूदा नीतियों से देश के भीतर संसाधनों का अपव्यय हो रहा है और विदेशों में असंतुलन बढ़ रहा है। संस्था ने बीजिंग से घरेलू उपभोग पर आधारित विकास मॉडल अपनाने और निर्यात पर निर्भरता कम करने की सलाह दी है।

हालांकि, ढ्ढरूस्न बोर्ड में चीन के प्रतिनिधि झांग झेंगक्सिन ने इन आलोचनाओं को खारिज किया है।

नेपाल चुनाव में राजनीतिक दलों ने जारी किए घोषणा पत्र, पड़ोसी देशों से मैत्रीपूर्ण संबंधों का वादा

काठमांडू ,25 फरवरी ।नेपाल में अगले महीने होने वाले आम चुनाव को लेकर तमाम राजनीतिक दलों की तरफ से अपनी-अपनी तैयारियां परखी जा रही हैं। इस कड़ी में तीन राजनीतिक

दलों ने चुनाव को लेकर घोषणा पत्र जारी किया है। इन दलों ने अपने घोषणा पत्र में पड़ोसी देशों से मैत्रीपूर्ण संबंधों का वादा किया है। 5 मार्च को होने वाले आम चुनावों से पहले नेपाल की तीन प्रमुख राजनीतिक पार्टियों नेपाली कांग्रेस (एनसी), नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी-एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यू) और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने गुरुवार को अपने-अपने चुनावी घोषणा पत्र जारी किए। तीनों दलों ने पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण और संतुलित संबंधों पर जोर दिया है।जहां पारंपरिक दल एनसी और यूएमएल की विदेश नीति उनके पूर्व शासन अनुभव के आधार पर जानी-पहचानी है, वहीं अगली सरकार का नेतृत्व करने की आकांक्षा रखने वाली आरएसपी की विदेश नीति को लेकर खास उत्सुकता थी। पार्टी ने पूर्व काठमांडू महानगरपालिका मेयर बालेन शाह को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। आरएसपी ने अपने घोषणा पत्र में 'संतुलित और गतिशील कूटनीति' अपनाने की बात कही है। पार्टी ने नेपाल को 'बफर स्टेट' से 'सक्रिय सेतु' (वाइब्रेंट ब्रिज) में बदलने का संकल्प जताया है। इसके तहत त्रिपक्षीय आर्थिक साझेदारी और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने की योजना है, विशेष रूप से भारत और चीन जैसे पड़ोसी देशों के साथ।पार्टी ने माना कि नेपाल में भारत और चीन के रणनीतिक हित हैं और वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव हो रहा है। ऐसे में नेपाल को सक्रिय और लचीली कूटनीतिक नीति अपनानी चाहिए, ताकि वह बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और पड़ोसी अर्थव्यवस्थाओं के उदय से लाभ उठा सके। आरएसपी ने पिछले दशक में भारत की डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, उच्च गुणवत्ता वाली भौतिक परियोजनाओं, अर्थव्यवस्था के औपचारिककरण और औद्योगिक-सेवा क्षेत्र समन्वय में हुई प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि नेपाल दक्षिणी पड़ोसी के अनुभव से लाभ ले सकता है। साथ ही, चीन के साथ रियायती वित्तपोषण के जरिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, राज्य-निर्देशित विकास योजना और अंतर-प्रांतीय प्रतिस्पर्धा के मॉडल से सीखने पर भी जोर दिया गया है।एनसी ने अपने घोषणा पत्र में कहा कि उसकी विदेश नीति के तहत नेपाल किसी भी रक्षा, सैन्य या सुरक्षा संघर्ष का हिस्सा नहीं बनेगा और न ही प्रमुख शक्तियों के बीच बढ़ती रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में शामिल होगा। पार्टी ने समानता के आधार पर सभी देशों के साथ मित्रता बनाए रखने के अपने पुराने सिद्धांत को दोहराया। पार्टी ने कहा, 'हमारे पड़ोसी और मित्र देशों के साथ संबंध समानता और पारस्परिक सम्मान पर आधारित होंगे तथा पारस्परिक लाभ और आर्थिक साझेदारी के आधार पर आगे बढ़ाए जाएंगे।' पार्टी ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहेगा।सीपीएन-यूएमएल ने भी अपनी लंबे समय से चली आ रही विदेश नीति 'सबसे मित्रता, किसी से शत्रुता नहीं' को दोहराया। पार्टी ने पड़ोसी मित्र देशों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध और सहयोग को मजबूत करने तथा व्यापक अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ जुड़ाव बढ़ाने का संकल्प जताया। यूएमएल ने कहा कि उसके नेतृत्व में नेपाल किसी भी पड़ोसी के प्रति दुर्भावना नहीं रखेगा

अमेरिका के साथ जंग के हालात के बीच ईरान में 5.5 तीव्रता का भूकंप, तिब्बत में भी हिली धरती

न्यूयॉर्क ,25 फरवरी । दुनिया के दो हिस्सों में गुरुवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। तिब्बत में एक बार फिर से गुरुवार को भूकंप के तेज झटके महसूस हुए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.3 मापी गई और इसकी गहराई 130 किलोमीटर रही। अमेरिका के साथ जंगी हालात के बीच दक्षिणी ईरान में भी 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप 19 फरवरी को सुबह 10 बजकर 10 मिनट पर तिब्बत में अक्षांश 33.57 उत्तर और देशांतर 81.86 पूर्व में महसूस किया गया। हालांकि, इस भूकंप से जानमाल का कितना नुकसान हुआ है, इसके बारे में फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है। एक तरफ न्यूक्लियर डील को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच भारी तनाव चल रहा है। हालात ऐसे हैं कि जंग के आसार भी बनते नजर आ रहे हैं। दूसरी तरफ भूकंप के झटके महसूस होने के बाद ऐसे सवाल उठ रहे हैं कि कहीं ईरान ने न्यूक्लियर परीक्षण तो नहीं कर लिया, जिसकी वजह से धरती हिली।यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे अमेरिका के साथ जंगी हालात के बीच दक्षिणी ईरान में भी 5.5 तीव्रता का भूकंप आया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप 19 फरवरी को सुबह 10 बजकर 10 मिनट पर तिब्बत में अक्षांश 33.57 उत्तर और देशांतर 81.86 पूर्व में महसूस किया गया।

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN: U40108CT2003SGC015821

No.15-06/S&P/EE-III/C&I/W/TN-21/26/ 611 Marwa, dtd.24-02-2026

NOTICE INVITING E-TENDER NO TN-21/2026: -

Online bids are invited by the undersigned through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from experienced firms for work as mentioned below for ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa:-

S. No.	Tender Specification No.	RFx No. (E-Tender No.)	Particulars	Last Date/ Time of submission of bid.	Tender Fee	EMD
01.	15-06/ S&P/ EE-III/ E&T/W/ T-26/26	8100049686	Work Contract for Maintenance contract for Elevators installed in Administrative Building & Boiler goods lift U#2, 2X500 MW, ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa.	20.03.2026 15:30 Hrs	Rs.590/- (Rs.500/- + GST @ 18%)	Rs. 9,700/-
02.	15-06/ S&P/ EE-III/ C&I/W/ T-27/26	8100049687	Work Contract for Supply, Installation and Commissioning of 24V DC 90A SMPS based float cum boost battery charger for H2 Generation Plant 2X500 MW, ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa.	24.03.2026 15:30 Hrs	Rs.590/- (Rs.500/- + GST @ 18%)	Rs. 10,400/-

The bidder shall deposit the requisite Tender Fee & EMD amount online through our e-bidding portal before due date and time. For other details, please visit our website www.cspc.co.in/CSPGCL/Ebidding/Ebidding web portal. Any Extension/ Corrigendum / amendments, if required, shall be displayed on above websites only.

Superintending Engineer (Contract)
O/o The Addl. Chief Engineer (S&P)
ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa

// SAVE ELECTRICITY FOR THE BENEFIT OF SELF & NATION //

सम्पादकीय...

पूर्व क्रिकेट कप्तानों की अपील

अंतरराष्ट्रीय स्तर के 14 पूर्व क्रिकेट कप्तानों ने 1992 में विश्व कप विजेता टीम के कप्तान इमरान खान के जेल में बिगड़ते स्वास्थ्य पर चिंता प्रकट करते हुए पाकिस्तान सरकार से अपील की है कि इमरान खान को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनरूप उचित चिकित्सा दी जाए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कप्तानों की अपील शीर्षक से पाकिस्तान सरकार को एक पत्र लिखकर इमरान के साथ उचित व्यवहार करने की मांग की गई है। पत्र में कहा गया है, हम अपनी राष्ट्रीय क्रिकेट टीमों के पूर्व कप्तान, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और विश्व क्रिकेट के दिग्गज इमरान खान के साथ कथित व्यवहार और कारावास की स्थितियों को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए पत्र लिख रहे हैं। इसमें कहा गया है, उनके स्वास्थ्य को लेकर हाल की रिपोर्ट विशेष रूप से हिरासत में रहने के दौरान उनकी दृष्टि में खतरनाक गिरावट और पिछले ढाई वर्षों में उनकी कैद की स्थितियों ने हमें गहरी चिंता में डाल दिया है। पत्र के अनुसार, हम क्रिकेटर निष्पक्ष खेल, सम्मान और आदर के मूल्यों को समझते हैं जो किसी तरह की सीमा से परे हैं। हम मानते हैं कि इमरान खान जैसे व्यक्ति के साथ एक पूर्व राष्ट्रीय नेता और एक वैश्विक खेल आइकन के तौर पर गरिमा और मानवीय सम्मान के साथ व्यवहार किया जाना चाहिए। इस पत्र पर भारतीय क्रिकेट के दिग्गज सुनील गावस्कर और कपिल देव सहित माइकल एथरटन, एलन बार्डर, माइकल ब्रेयरली, ग्रेग चैपल, इयान चैपल, बेलिंडा क्लार्क, डेविड गावर, किम ह्यूज, नासिर हुसैन, क्लाइव लायड, स्टीव वा और जान राइट ने भी हस्ताक्षर किए हैं। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को 2023 में भ्रष्टाचार के एक मामले में 14 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। पत्र में पूर्व कप्तानों ने 73 वर्षीय खान के लिए उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने, पारदर्शी कानूनी प्रक्रियाओं और सम्मानजनक व्यवहार की मांग की है। पत्र में कहा गया है, हम पाकिस्तान सरकार से विनम्र निवेदन करते हैं कि वह यह सुनिश्चित करे कि इमरान खान को उनकी कथित स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान के लिए उनकी पसंद के योग्य विशेषज्ञों से तत्काल, पर्याप्त और निरंतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाए। पत्र के अनुसार, क्रिकेट हमेशा से ही देशों के बीच एक सेतु का काम करता रहा है। मैदान पर हमारा साझा इतिहास हमें याद दिलाता है कि मैच समाप्त होने के साथ ही प्रतिद्वंद्विता समाप्त हो जाती है और सम्मान कायम रहता है। इमरान खान ने अपने पूरे करियर में इसी भावना को मूर्त रूप दिया। पत्र में अधिकारियों से शालीनता और न्याय के सिद्धांतों को बनाए रखने अपील की गई है। इन पूर्व कप्तानों ने कहा, यह अपील खेल भावना और मानवता की भावना से प्रेरित होकर की जा रही है और इसका कानूनी कार्यवाही पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। पत्र में इमरान खान के क्रिकेटर और राजनीतिज्ञ के रूप में योगदान का भी जिक्र किया गया है। इसमें कहा गया है, इमरान खान के खेल में योगदान की हर जगह प्रशंसा की जाती है। एक कप्तान के रूप में उन्होंने पाकिस्तान को 1992 के क्रिकेट विश्व कप में ऐतिहासिक जीत दिलाई। यह एक ऐसी जीत थी जो कौशल, दृढ़ता, नेतृत्व और खेल भावना पर आधारित थी, जिसने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। पत्र के अनुसार, हममें से कई लोगों ने उनके खिलाफ प्रतिस्पर्धा की, उनके साथ मैदान साझा किया या उनकी सर्वांगीण प्रतिभा और प्रतिस्पर्धी भावना को अपना आदर्श मानकर बड़े हुए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट जगत में अपने योगदान कारण उपरोक्त सभी खिलाड़ियों ने क्रिकेट इतिहास में अपनी विशेष पहचान बनाई है। क्रिकेट के माननीयों पूर्व कप्तानों ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए जो मानवीय पहल की है वह सराहनीय है। इमरान खान द्वारा पाकिस्तान को क्रिकेट जगत में विशेष पहचान देने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई गई है। इमरान खान के इस योगदान को ध्यान में रखते हुए तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के 14 पूर्व क्रिकेट कप्तानों द्वारा की गई अपील को पाकिस्तान सरकार मानवीय दृष्टि से लेगी यह पाकिस्तान की वर्तमान राजनीतिक स्थितियों को देखते हुए मुश्किल दिखाई देता है, पर पाकिस्तान को पूर्व कप्तानों की अपील को मानवीय दृष्टि से लेते हुए उचित कदम उठाने चाहिए, इससे पाकिस्तान सरकार की साख व छवि पर सकारात्मक प्रभाव ही पड़ेगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की चुनौतियां

डा. वरिंदर भाटिया

देश की राजधानी नई दिल्ली में ग्लोबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सम्मेलन गरमागरम चर्चा में है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वह प्रौद्योगिकी है जो कंप्यूटर सिस्टम को ऐसे कार्य करने में सक्षम बनाती है जिनके लिए सामान्य रूप से मानव बुद्धि की आवश्यकता होती है, जैसे सीखना, तर्क करना, समस्या समाधान और निर्णय लेना। आज स्वास्थ्य, वित्त, कृषि से लेकर शासन तक हर क्षेत्र में एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। जहां एक ओर यह तकनीक मानव जीवन को बेहतर बनाने की अपार क्षमता रखती है, वहीं दूसरी ओर यह कई गंभीर नैतिक, सामाजिक और कानूनी सवाल भी खड़े करती है जिन पर विचार करना अनिवार्य है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने दुनियाभर में एक क्रांति लाने का काम किया है। इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के अलावा हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मजबूती के साथ दाखिल हो चुका है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से किसी भी काम या प्रोसेस को बहुत आसानी से और बेहतर तरीके से किया जा सकता है। अगर हम शिक्षा क्षेत्र का ही उदाहरण लें तो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से कोई भी छात्र किसी भी विषय को आसानी और आधुनिक तरीके से सीख सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से कंप्यूटर ऐसे काम करने में सक्षम है जिस काम को करने के लिए अमूमन मानवीय बुद्धिमत्ता की आवश्यकता होती है। लेकिन जिस तरह किसी टेक्नोलॉजी के फायदे होते हैं तो वहीं उसके नकारात्मक इस्तेमाल को भी नहीं नकारा जा सकता है। ठीक उसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अगर क्रांति लेकर आया है तो उसके दुष्प्रभाव से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से सीखने की जरूरतों और अलग-अलग क्षमताओं वाले छात्रों के लिए पढ़ाई को और आसान बनाया जा सकता है। एक डेटा को अलग-अलग तरीके से और छात्रों के अनुरूप उसे प्रस्तुत करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद ली जा सकती है। साथ ही विकलांग, सीखने में अंतर या भाषा की बाधाओं जैसी दिक्कतों को भी इसकी मदद से दूर किया जा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग पेपर ग्रेडिंग और पाठ योजनाएं बनाने जैसे कार्यों में भी किया जा सकता है, जिससे शिक्षकों का समय अधिक महत्वपूर्ण कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने में लगेगा। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद किसी एक जानकारी से और अधिक जानकारी निकालने में भी ली जा सकती है। एआई की मदद से नई जानकारियों को आसानी से बनाया जा सकता है। शिक्षा के क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह छात्रों की मानसिक क्षमता और सीखने में बाधा उत्पन्न कर सकती है। छात्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से अपने सवालों के जवाब आसानी से ढूंढ सकते हैं। जिससे वो खुद से किसी सवाल के जवाब ढूंढने में पीछे रह सकते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में एआई का उपयोग जवाबदेही, पारदर्शिता और निष्पक्षता से संबंधित कई और चुनौतियों को जन्म देता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कई और नुकसान भी हो सकते हैं, जैसे कि एआई चैटबॉट काफी कम समय में आपको किसी टॉपिक के बारे में लंबी-चौड़ी डिटेल बता देते हैं। इनसानों के मुकाबले इस काम में एआई की स्पीड बहुत तेज होती है। एआई का यह फीचर दुनियाभर में चल रही फेक न्यूज, गलत जानकारी जैसे मामलों में खतरनाक हो सकता है। हैकर्स इसका फायदा उठाकर गलत जानकारी फैला सकते हैं। इसका सबसे ज्यादा बुरा असर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर पड़ेगा। इसके अलावा कुछ एआई प्लेटफॉर्म फोटो और वीडियो भी जनरेट कर सकते हैं। फेक न्यूज फैलाने के लिए इनका काफी शातिर तरीके से इस्तेमाल हो सकता है। एआई की वजह से जो अगली समस्या आएगी, वो है बेरोजगारी। कई कंपनियों में स्मार्ट वर्क के लिए एआई का इस्तेमाल शुरू हो चुका है। इसके नतीजतन कंपनियां बड़े पैमाने पर छंटनियां कर सकती हैं। फिलहाल डेटा एंट्री, बुक-कीपर, ट्रांसलेटर, कस्टमर केयर, कॉपी राइटिंग और सोशल मीडिया मैनेजर्स की नौकरियों पर सबसे ज्यादा खतरा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एआई लगभग 300 मिलियन लोगों की नौकरी हड़प सकता है। साल 2020 की रिपोर्ट में साइबर सिक्योरिटी के लिए एआई से मदद लेने की बात कही गई थी। इसमें कहा गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इनसानों के मुकाबले तेजी से बड़े खतरों का पता लगा सकता है।

इस हिसाब से एआई इनसानों की सिक्योरिटी के बारे में खुद समझेगा और इसे कंट्रोल करने के तरीके भी खुद ही ढूंढेगा। एआई पर इस कदर निर्भर होना भी मुश्किलें ला सकता है। कुछ दिनों पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बग के कारण चैटजीपीटी की सर्च हिस्ट्री लीक हो गई थी। इस तरह का खतरा आगे भी बना रहेगा। कंपनियों के पास यूजर्स का ढेर सारा डेटा होता है। ऐसे में एआई यूजर्स के पैटर्न को कॉपी करने और विज्ञापनों के लिए डेटा का गलत इस्तेमाल करके उनका नकली प्रोफाइल भी बना सकता है। आज के समय में मिलिट्री में इस्तेमाल होने वाली कई मशीनें जैसे मिसाइलों, ड्रोन को एआई से कंट्रोल किया जाता है। फिलहाल एआई को दी जाने वाली कमांड फिक्स हैं, लेकिन आने वाले समय में इसकी क्षमताएं बढ़ेंगी। नई टेक्नोलॉजी के साथ अगले कुछ सालों में इनसानों की कमांड के बिना ही एआई फैसले ले सकेगा। इससे दिक्कतें बढ़ सकती हैं।

भारत की आईटी इंडस्ट्री दशकों से देश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ रही है, लेकिन अब एक नए और खतरनाक दौर से गुजर रही है। खतरा कोई और नहीं, बल्कि आईटी कंपनियों द्वारा बनाया गया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ही है। जहां पहले सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, टेस्टिंग और सर्विसेज जैसी सेवाओं पर निर्भर कंपनियां चमक रही थीं, उनके बुरे दिन शुरू हो चुके हैं। बुरे दिन इसलिए क्योंकि अब उन तमाम कार्यों को एआई ऑटोमेटेड करके सीधा उनके बिजनेस मॉडल को ही चुनौती दे रहा है। भारत के लिए यह स्थिति इसलिए भी चिंता का विषय है, क्योंकि देश को दुनिया का आउटसोर्सिंग हब माना जाता है। भारतीय अर्थव्यवस्था में आईटी सेक्टर, बीपीओ, कॉल सेंटर्स और बैक-ऑफिस सेवाओं में लाखों लोगों को रोजगार मिलता है। ऐसे में विशेषज्ञों का मानना है कि एआई आधारित ऑटोमेशन के आने से यह पूरा उद्योग नए स्वरूप में ढल सकता है। बावजूद इसके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारत के आर्थिक विकास को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकता है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

बच्चों को सोशल मीडिया के असर से बचाने की जरुरत

अजीत द्विवेदी

देश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का सम्मेलन चल रहा है। एआई के आर्थिक, सामरिक इस्तेमाल और उसके असर की व्याख्या हो रही है। दुनिया भर के विशेषज्ञ दिल्ली में हैं। और इसके समानांतर इस बात की भी चर्चा हो रही है कि बच्चों और किशोरों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल से कैसे बचाया जाए। जब से ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पाबंदी लगा दी है और सभी सोशल मीडिया कंपनियों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि किसी भी बच्चे का अकाउंट उनके प्लेटफॉर्म पर नहीं होना चाहिए तब से भारत और दुनिया भर के देशों में इस तरह की चर्चा शुरू हो गई है। भारत में आंध्र प्रदेश सरकार की ओर से इसकी पहल हो रही है कि 15 साल तक की उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से कैसे दूर रखा जाए। हो सकता है कि ऑस्ट्रेलिया के टेम्पलेट का इस्तेमाल करके यहां भी पाबंदी लगाई जाए।

इसके साथ ही इस प्रतिबंध के असर को लेकर भी बहस छिड़ गई है। यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या सोशल मीडिया पर पाबंदी बच्चों को इसके असर से बचाने का रामबाण उपाय है? इसके पक्ष और विपक्ष दोनों में तर्क दिए जा रहे हैं। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं है कि पाबंदी का समर्थन और विरोध करने वाले दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि बच्चों को सोशल मीडिया के असर से बचाने की जरुरत है। बचाने के तरीके को लेकर जरूर मतभेद हैं। अमेरिका और यूरोप में कुछ दिन पहले हुए सर्वेक्षणों से पता चला कि इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ कि जेन जेड यानी 1997 से 2013 के बीच जन्मे बच्चे अपने से पहले वाली पीढ़ी यानी मिलेनियल्स के मुकाबले कम बुद्धिमान हैं। यह पहली बार है, जब कोई पीढ़ी अपने से पिछली पीढ़ी से कम बुद्धिमान हैं और इसका मुख्य कारण स्मार्ट फोन या दूसरे स्मार्ट गैजेट्स और सोशल मीडिया है। टेलीविजन को भी इडियट बॉक्स कहते थे लेकिन उसने बच्चों के सोचने, समझने की क्षमता को उतना प्रभावित नहीं किया, जितना इंटरनेट से कनेक्टेड गैजेट्स और सोशल मीडिया ने किया है।

सोचें, इस समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी कृत्रिम बुद्धि की वजह से दुनिया संज्ञानात्मक क्रांति (कॉग्निटिव रिवोल्यूशन) के मध्य में है और दूसरी ओर संचार क्रांति ने एक पूरी पीढ़ी की बुद्धिमता छीन ली है! क्या कृत्रिम बुद्धिमता के फलने फूलने के लिए जरूरी है कि प्राकृतिक बुद्धिमता का क्षरण हो? बहरहाल, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सिर्फ बच्चों और किशोरों की संज्ञानात्मक क्षमता को प्रभावित नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनकी सामाजिकता और मानसिक व शारीरिक क्षमता को भी प्रभावित कर रहे हैं। बच्चे और किशोर निराशा और अवसाद का शिकार हो रहे हैं। उनके अंदर कुंठा बढ़ रही है और सामाजिकता कम होती जा रही है। वे अपनी एक दुनिया रचने लगे हैं और कई बार यह उनके लिए जानलेवा साबित हो रहा है। पिछले ही दिनों दिल्ली से सटे गाजियाबाद में तीन बहनों के आत्महत्या करने की खबर आई थी। उनको सोशल मीडिया की ऐसी लत लगी थी कि वे अपनी वास्तविक दुनिया से बेखबर हो गई थीं और एक आभासी दुनिया में रहने लगी थीं, जिसकी परिणति तीनों की मृत्यु में हुई। लेकिन क्या इस तरह की घटनाओं को रोकने और बच्चों व किशोरों को स्क्रीन एडिक्शन यानी फोन व सोशल मीडिया की लत से बचाने का एकमात्र तरीका यह है कि सोशल मीडिया पर पाबंदी लगा दी जाए? ध्यान रहे कोई भी पाबंदी बहुत खराब आर्थिक नीति मानी जाती है लेकिन यह सिर्फ आर्थिक नीति का मामला नहीं है, बल्कि इसके दूसरे पक्ष भी हैं। उन सबको ध्यान में रख कर ही कोई भी प्रयास किया जाना चाहिए। इसमें भेड़चाल के लिए कोई जगह नहीं है। ऑस्ट्रेलिया ने पाबंदी लगा दी और स्पेन के प्रधानमंत्री ने भी टिकटॉक से लेकर, यूट्यूब, स्नैपचैट, फेसबुक, इंस्टाग्राम जैसे लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों के लिए पाबंदी लगाने की योजना का ऐलान किया है। इसकी देखादेखी कुछ और देश ऐसा करेंगे और भारत में भी इसकी मांग होगी और लोकप्रिय भावना को संतुष्ट करने के लिए हो सकता है कि कुछ कदम उठा भी लिए जाएं लेकिन उससे कोई समाधान नहीं होगा।

सबसे पहले तो यह समझने की जरुरत है कि बच्चों और किशोरों में स्क्रीन की जो लत लगी है वह टेक्नोलॉजी या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की समस्या नहीं है। यह एक सामाजिक व पारिवारिक समस्या है, जिसमें तकनीक को विलेन बनाया जा रहा है। इसके समाधान के लिए सबसे पहले यह सवाल पूछने की जरुरत है कि स्क्रीन का एडिक्शन पहले किसको हुआ? सोशल मीडिया की लत पहले किसको लगी? क्या ऐसा नहीं कि परिवार के बड़े, बुजुर्ग पहले इस लत का शिकार हुए और फिर बच्चों की बारी आई? क्या यह सही नहीं है कि कोरोना महामारी के बाद की स्थितियों ने भी इस परिघटना को जन्म दिया? क्या पढ़ाई, लिखाई में स्मार्ट फोन या स्मार्ट गैजेट्स के इस्तेमाल को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है? जाहिर है यह एक संश्लिष्ट समस्या है, जिसका समाधान पाबंदी के एक कामचलाऊ तरीके से निकालने की कोशिश हो रही है। अगर इसकी बहुआयामी जटिलता को समझते हुए समाधान निकालने का प्रयास नहीं हुआ तो पाबंदी लगाने से कुछ नहीं होगा। वैसे भी किसी भी चीज पर पाबंदी कभी भी कामयाब नहीं होती है, बल्कि उससे समस्या उलझती जाती है और साथ ही नई समस्याएं भी पैदा होती हैं। वैसे भी बच्चों या किशोरों को सोशल मीडिया के इस्तेमाल से रोकना एक मुश्किल काम होगा। भारत जैसे देश में यह और भी मुश्किल होगा। पहले तो सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाने वाले के उम्र और पहचान का वेरिफिकेशन बहुत मुश्किल होगा।

(यह लेखक के अपने विचार है)

जाकी रही वासना जैसी

अशोक गौतम

हे मेरे ताजे ताजे अशुभचिंतको! किसी की टांग खींचने से जीव प्रतिभावान नहीं बनता। अगर तुममें भी ऑरिजिनल प्रतिभा है तो जब तुम्हारी रिटायरमेंट होने को आए, तो जरा महीने दो महीने की भी एक्सटेंशन लेकर बताना। तब पता लगेगा, एक्सटेंशन के लिए कितनी टेंशन लेनी पड़ती है। उस दिन तुम्हें एक्सटेंशन मिलने पर मैं असली फूलों की माला लेकर तुम्हारी प्रतिभा को सलाम करने नाक रगड़ता हुआ आऊंगा दुखी मन से हंसता हुआ नहीं, प्रफुल्लित मन से नाचता हुआ। मित्रो! इस नौकरी में कुछ और पता चला हो या न, पर मुझे इस बात का पता जरूर चल गया कि मुझे मेरी कार्यकुशलता को देख मुझे एक्सटेंशन मिलने पर कल तक जिन जिन सज्जनों को मैं सज्जन मानता रहा, वे सब दुर्जन अपनी दुर्जनता से नहीं, मुझे मिली एक्सटेंशनता से दुखी हैं।

हे मुझ जैसी तमाम प्रतिभाओं से एक्सटेंशन मिलने पर कदम कदम जलने वाले तथाकथित भद्रपुरुषो! किसी प्रतिभावान को एक्सटेंशन मिलने पर टेंशन लेना छोड़ उनकी एक्सटेंशन पार्टी में जरा नाचकर देखो तो पगलो! देखना उस वक्त धधकते दिल पर कितने फूल खिलेंगे सर्दियों में भी । अजीब साइकॉलाजि है इस समाज की भी। इस समाज का सब कुछ समझ आया, पर सच कहूं, इस समाज की साइकॉलाजि मेरी समझ में कतई नहीं आई।

हे मेरी एक्सटेंशन से जलने वालो! मेरा तो तुमको बस, यही कहना है कि जलो मत, रीस करो। मेरी एक्सटेंशन से सीख ले अपनी एक्सटेंशन का जुगाड़ करो, अपनी एक्सटेंशन की राह सुधार करो। हे मेरे विरोधियो! ऐसा वैसा कुछ नहीं जैसा तुम समझ रहे हो। तुम मानो या न, असल में उन्होंने मेरी प्रतिभा का सम्मान किया है। वे सबकी प्रतिभा का सम्मान करते हैं। बस, उन तक अपनी प्रतिभा पहुंचाना आना चाहिए।

हे मुझसे जलने वालो! तुच्छ से तुच्छ कर्मचारी में भी कोई न कोई हिडेन प्रतिभा होती है। पर उसे उसका उसी तरह पता नहीं चलता जिस तरह कस्तूरी मृग को पता नहीं चलता कि कस्तूरी उसकी नाभि में है। पर वह उसे ढूंढने को दर-दर भटकता रहता है। मुझे पता है कि मेरे भीतर कस्तूरी है। मेरे भीतर की उसी कस्तूरी ने ऊपर तक सबको सुवासित आह्लादित किया है। हे मेरे मित्रो! मुझमें प्रतिभा थी तो मुझे एक्सटेंशन मिली। एक्सटेंशन उनको मिलती है जिनको काम हराम होता है। जो कर्मठ नहीं, शठ होते हैं। सॉरी! जिनको आराम हराम होता है। जो शठ नहीं, कर्मठ होते है। मैं आरामी नहीं, कामी आत्मा हूं। शठी नहीं, कर्मठी आत्मा हूं। कामी कर्मठी प्रतिभाओं का सब जगह सम्मान होता है। होना भी चाहिए। अगर कामी प्रतिभाओं का सम्मान न होगा तो वे कुंठित हो जाएंगी। जिनमें प्रतिभा होती है उन्हें तो यम भी एक्सटेंशन दे देते हैं। मुझे तो केवल नौकरी में एक्सटेंशन मिली है ताकि मैं आगे भी समाज हित में अपनी बची सेवाएं दे समाज में कृतार्थ हो सकूं।

जाति संघर्ष का सर्वसमावेशी समाधान वक्त की जरूरत

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुई, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है।

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मर्यादा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें।

यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दर्शाता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे। लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है।

आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें।

निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती है। यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा है, यही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर फंसे लोगों को मिलेगा टोल-रिफंड, 33घंटे तक फंसीं थीं 1 लाख से ज्यादा गाड़ियां

मुंबई, 25 फरवरी [एजेंसी]। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर गैस टैंकर दुर्घटना के बाद 33 घंटे जाम में फंसे वाहन चालकों से वसूली गई टोल की राशि को वापस करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से जाम में फंसे लगभग एक लाख लोगों को लाभ मिलेगा ।तीन फरवरी को एक्सप्रेस वे के खोपोली खंड पर एक गैस टैंकर के पलटने से लगभग 33 घंटे तक यातायात ठप रहा था। इस कारण कई किलोमीटर तक यातायात बाधित रहा। जाम के चलते कई वाहन चालकों और यात्रियों को पानी, भोजन और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ा था ।दुर्घटना के बाद प्रशासन ने टोल वसूली को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया था। हालांकि, तब तक कई वाहन चालकों के फास्टैग खातों से टोल शुल्क पहले ही काटे जा चुके थे। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि टोल वसूली रोकने का आदेश जारी होने के बावजूद वाहन मालिकों से वसूल की गई पूरी राशि वापस करने का निर्णय लिया गया है ।लगभग 5.16 करोड़ रुपये की यह वापसी राशि एमएसआरडीसी द्वारा भुगतान की जाएगी। यह राशि अगले कुछ दिनों में प्रभावित वाहन मालिकों के फास्टैग खातों में सीधे जमा कर दी जाएगी।

मलेशिया के बोर्नियो द्वीप में शक्तिशाली भूकंप, साबाह तट पर महसूस हुए झटके

नई दिल्ली। मलेशिया के पूर्वी हिस्से में स्थित बोर्नियो द्वीप के साबाह राज्य के तट से कुछ दूर पर एक शक्तिशाली भूकंप आया। बोर्नियो द्वीप में आए भूकंप की तीव्रता 7.1 थी। भूकंप का केंद्र कोटा किनाबालू से 100 किलोमीटर पूर्वोत्तर में था ।स्थानीय समयानुसर यह भूंकप 12.57 बजे आया। भूकंप की गहराई 619.8 किलोमीटर बताई जा रही है ।अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (स्वस) के मुताबिक, भूकंप जमीन की सतह से करीब 619.8 किलोमीटर की गहराई में था। गहराई ज्यादा होने के चलते इस भूकंप से बड़े पैमाने पर जान-माल के नुकसान की संभावना कम है। फिलहाल भूकंप को लेकर किसी तरह के सुनामी की चेतावनी नहीं जारी की गई है ।मौसम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि भूकंप काफी गहराई में आया था, इसलिए समुद्र में बड़ी लहरें उठने की संभावना नहीं है ।बता दें कि यह भूकंप रविवार रात उस वक्त आया जब ज्यादातर लोग सो रहे थे। स्थानीय निवासियों ने हल्के से मध्यम स्तर के कंपन महसूस किए हैं। फिलहाल किसी तरह की कोई इमरजेंसी नहीं घोषित की गई है। प्रशासन ने लोगों से शांत रहने और आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने की अपील की है। फिलहाल मलेशिया के मौसम विभाग और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां स्थिति पर नजर रख रही हैं।

एटीएस ने कोलकाता से 5 अफगानियों को किया गिरफ्तार, जबलपुर के पते पर बनवाए थे फर्जी पासपोर्ट

कोलकाता, २३ फरवरी [एजेंसी]। गलत पते और दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट बनवा कर देश में रहने वाले पांच और अफगानियों को एटीएस (एंटी टेरेरिस्ट स्क्वायड) की टीम ने रविवार को कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया गया। सभी को जबलपुर लाया गया है। आरोपितों को न्यायालय में रविवार को पेश कर 25 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इसके पूर्व एटीएस फर्जी पासपोर्ट बनवाने वाले तीन अफगानियों और उनकी मदद करने वाले तीन अन्य यानी कुछ छह आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार किए गए अफगानियों में जिया उल रहमान, सुल्तान मोहम्मद, रजा खान, सैयद मोहम्मद, जफर खान हैं। ये पांचों कई साल पहले भारत आए और कोलकाता में सूदखोरी का धंधा करे थे।

इन्होंने जबलपुर में रहने वाले अफगानी सोहबत खान के माध्यम से अपने फर्जी भारतीय पासपोर्ट बनवाए थे। एटीएस ने इससे पहले अगस्त 2025 में जबलपुर में सोहबत खान को पकड़ा था। उसके पास से फर्जी भारतीय पासपोर्ट मिला था। उसकी निशानदेही पर कोलकाता निवासी मोहम्मद इकबाल और अकबर को भी गिरफ्तार किया

था। सोहबत ने जबलपुर के कथित अधिवक्ता चंदन सिंह, वन रक्षक दिनेश गर्ग और महेश कुमार सुखदान के साथ मिलकर इन तीनों के भी फर्जी भारतीय पासपोर्ट बनवाए थे ।भारत आने के बाद ये अफगानी कोलकाता में ही रह रहे थे। इस दौरान उन्हें सोहबत के बारे में पता चला, जो फर्जी भारतीय पासपोर्ट बनवाता था। उन्होंने उससे संपर्क किया, जिसके बाद सोहबत ने प्रति पासपोर्ट ढाई लाख रुपये लिए और जबलपुर में उनके फर्जी दस्तावेज तैयार कराए ।सोहबत ने 2024 में पांचों को शहर बुलाया और पीओपीएसके (पोस्ट आफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र) में उनकी फोटो खिंचवाई। दस्तावेज की जांच कराने के बाद पांचों को रवाना कर दिया। सोहबत ने ही पासपोर्ट को डाकघर से लिए और फिर पांचों को भेजा।

भारत के पास अपना मोबाइलओएस तक नहीं, सैम पित्रोदा के बयान पर भड़की बीजेपी

नई दिल्ली, 25 फरवरी [एजेंसी]।अपने बयानों के लिए अक्सर चर्चाओं में रहने वाले इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के मुखिया सैम पित्रोदा ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। पित्रोदा ने कहा- 1.50 अरब की आबादी वाले देश के पास अपना मोबाइल आपरेटिंग सिस्टम (ओएस) तक नहीं है। यह शर्म की बात है। यही नहीं, उन्होंने कहा कि भारतीय प्रतिभाएं दूसरों की सेवा करने के लिए ही हैं। उधर, भाजपा ने कड़ा प्रतिकार करते हुए कहा कि कांग्रेस का एकमात्र मिशन झूठ बोलकर भारत को नीचा दिखाना है। साथ ही पित्रोदा के दावों को खारिज करते हुए भारत में विकसित आपरेटिंग सिस्टमों की लंबी फेहरिस्त गिनाई। एक यूट्यूब चैनल को दिए साक्षात्कार में पित्रोदा ने कहा कि भारत ने युवाओं की जो बड़ी फौज तैयार की है, वह भारत के

लिए नहीं बल्कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए काम कर रही है। भारत ने अपने खुद के वैश्विक स्तर के टेक्नालाजी प्रोडक्ट नहीं बनाए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि भारत माइक्रोसाफ्ट जैसी कंपनी या अपना खुद का इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म और मोबाइल ओएस क्यों नहीं बना पाया। उधर, पित्रोदा के बयान पर भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर लिखा- कांग्रेस के टापलेस प्रदर्शन के बाद अब लश्कर-ए-कांग्रेस के प्रमुख सैम पित्रोदा सामने आए हैं। अंकल सैम एक बार फिर भारत को नीचा दिखाने के एजेंडे पर चलते हुए झूठ बोलकर देश का मजाक उड़ा रहे हैं। वे कहते हैं कि भारत के लिए शर्म की बात है कि उन्होंने मोबाइल के लिए ओएस भी विकसित नहीं किया। हकीकत ये है कि बास लीनक्स, माया ओएस, प्राइमओएस, भारओएस, इंडस ओएस और नेक्स्टक्वांटमओएस जैसे आपरेटिंग सिस्टम भारत में ही विकसित हुए हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस भारत से नफरत करती है और उसका मकसद देश को सिर्फ नीचा दिखाना होता है।

वैश्विक मंच पर अर्धनग्न प्रदर्शन खेदजनक शिक्षाविदों ने युवा कांग्रेस के विरोध की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली, 25 फरवरी [एजेंसी]। भारतीय युवा कांग्रेस के प्रतिष्ठित एआई समिट स्थल पर बिना शर्ट के विरोध-प्रदर्शन करने की आलोचना की गई है। विद्वानों और शिक्षकों ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस महत्वपूर्ण वैश्विक कार्यक्रम में व्यवधान न केवल खराब फैसला था, बल्कि राष्ट्रीय हितों के खिलाफ भी है। एआई इम्पैक्ट समिट भारत की दुनिया को यह घोषणा थी कि भारत चौथी औद्योगिक क्रांति के युग में एक गंभीर और संप्रभु तकनीकी शक्ति के रूप में उभरा है और आईवाईसी का हालिया प्रदर्शन गंभीर रूप से खेदजनक और गलत सोच का परिणाम है ।प्रमुख शिक्षाविदों ने रविवार को संयुक्त बयान जारी कर भारतीय युवा कांग्रेस के सदस्यों के एआई कार्यक्रम के खिलाफ विरोध करने के दुर्भाग्यपूर्ण और असंवेदनशील तरीके पर खेद प्रकट किया। 100 से अधिक शिक्षाविदों के हस्ताक्षरित संयुक्त बयान में कहा गया कि वास्तव में भारत के आर्टिफिशियल

इंटेलिजेंस (एआई) परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित करता है, जिसे नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया। उन्होंने बताया, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित 2025 ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी इंडेक्स के अनुसार भारत अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर है (केवल अमेरिका और चीन के पीछे) जो अनुसंधान उत्पादन, प्रतिभा विकास और बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

भारत इस शीर्ष स्तर में प्रवेश करने वाला पहला ग्लोबल साउथ देश है। उन्होंने कहा कि यह न तो एक पक्षपाती मंच था और न ही घरेलू राजनीतिक प्रचार का स्थल। एक अंतरराष्ट्रीय मंच को राजनीतिक प्रदर्शन के अवसर में बदलना गंभीर निर्णय की कमी और वैध लोकतांत्रिक असहमति और वैश्विक मंच पर राष्ट्रीय प्रतिष्ठा की रक्षा के बीच अंतर करने में असमर्थता को दर्शाता है। बयान में कुमाऊं विश्वविद्यालय, राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति, पेरियार विश्वविद्यालय, मणिपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और देशभर के विभिन्न संस्थानों के कई प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर और शोध छात्र शामिल हैं।

दिल्ली में हार्ट अटैक बताकर शवदाह गृह लाए थे शव गले पर निशान देख पंडित ने बुला ली पुलिस, जांच शुरू

पूर्वी दिल्ली, 25फरवरी [एजेंसी]। हर्ष विहार के शवदाह गृह में रविवार को एक पंडित ने एक शव के गले पर निशान देखकर अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। इससे वहां हंगामा हो गया। पंडित ने पुलिस को सूचना देकर बुला लिया। जांच में पता चला कि युवक ने घरेलू विवाद में खुदकुशी की थी। परिवार ने उसे हार्ट अटैक दिखाने की कोशिश की। भारत उर्फ कालू के शव को हर्ष विहार थाना पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।भारत अपने परिवार के साथ हर्ष विहार में रहते थे। वह पेशे से एक कंपनी में सुरक्षा गार्ड थे। मृतक के परिवार ने बताया कि भारत की ससुराल कोंडली में है। 20 फरवरी को भारत की साली की शादी थी। वह अपने परिवार के साथ ससुराल शादी में गए हुए थे। परिवार ने आरोप लगाया कि 22 फरवरी की सुबह छह बजे भारत के ससुराल से फोन आया कि हार्ट अटैक से उनकी मौत हो गई। करीब सात बजे वह शव लेकर घर आ गए।

शरद पवार की तबीयत फिर बिगड़ी, सांस लेने में तकलीफ के चलते पुणे के रूबी अस्पताल में भर्ती

पुणे ,25 फरवरी (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (एनसीपी-एसपी) के प्रमुख और दिग्गज राजनेता शरद पवार के स्वास्थ्य को लेकर एक बार फिर चिंताजनक खबर सामने आई है। लगातार कमजोरी महसूस होने और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद रविवार को उन्हें पुणे के रूबी हॉल क्लिनिक में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। वरिष्ठ नेता को गंभीर खांसी की भी शिकायत है। उनकी लगातार बिगड़ती तबीयत को देखते हुए अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम उनकी सघन निगरानी कर रही है, जिससे पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों में चिंता का माहौल है ।शरद पवार की बेटी और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर उनके स्वास्थ्य से जुड़ा ताजा अपडेट साझा किया है। सुप्रिया सुले ने अपने संदेश में स्पष्ट किया है कि उनके पिता को आगे की नियमित जांच और हाइड्रेशन के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसके साथ ही उन्होंने समय पर इलाज सुनिश्चित करने के लिए सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों का आभार भी व्यक्त किया है। परिवार के सदस्य लगातार अस्पताल में मौजूद हैं और विशेषज्ञों की टीम के संपर्क में हैं ।हाल के दिनों में यह दूसरी बार है जब शरद पवार को अस्पताल का रुख करना पड़ा है। इससे पहले 9 फरवरी को भी गंभीर खांसी और सीने में जकड़न के चलते उन्हें इसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, कुछ दिनों के इलाज के बाद उनकी स्थिति में सुधार देखा गया था, जिसके बाद बेटी सुप्रिया सुले उन्हें घर वापस ले गई थीं।

भारतीयों के लिए बदलेंगे दवा के डोज, एम्स भोपाल बच्चों की खांसी समेत 4 बीमारियों के लिए बनाएगा नए मानक

भोपाल, 25 फरवरी [एजेंसी]।

किसी बीमारी के उपचार में मरीज को दवा की कितनी खुराक देनी है, यह भारत में अभी अमेरिका और यूरोप के चिकित्सा मानकों के आधार पर तय होता है। लेकिन, जल्द ही यह मानक बदलने वाले हैं। भोपाल का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) अब भारतीयों की शारीरिक बनावट, खान-पान और स्थानीय जरूरतों को ध्यान में रखते हुए दवाओं के नए मानक तैयार करेगा। संस्थान का तकनीकी संसाधन केंद्र मुख्य रूप से बच्चों की खांसी, स्टेम सेल चिकित्सा, थायराइड (हाइपोथायरायडिज्म) और साइनसाइटिस यानी चार बीमारियों के उपचार के लिए राष्ट्रीय मानक विकसित करने की परियोजना पर काम कर रहा है। इसमें सटीक उपचार तो सुनिश्चित होगा ही, साइड इफेक्ट भी कम होगा। दरअसल, एम्स के विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीयों की प्रतिरोधक क्षमता व जेनेटिक संरचना यूरोपीय-अमेरीकी देशों के लोगों से अलग होती है। इसमें भारतीय मरीजों को दी जाने वाली दवा कई बार जरूरत से अधिक मात्रा में हो जाती है। इसके साइड इफेक्ट होते हैं। कई बार ऐसी महंगी दवाएं या टेस्ट लिखे जाते हैं, जिनकी भारतीय परिस्थितियों में जरूरत ही नहीं होती ।एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक डा. माधवानन्द कर ने बताया कि साक्ष्य-आधारित चिकित्सा ही आधुनिक स्वास्थ्य सेवा का आधार है। हम भारतीयों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रीय उपचार दिशा-निर्देश तैयार कर रहे हैं। इससे न केवल इलाज की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि

यह स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। पश्चिमी देशों के लोगों की तुलना में भारतीयों का मेटाबालिज्म (पाचन व ऊर्जा प्रक्रिया) अलग होता है। अक्सर दवाओं के ओवरडोज से बच्चों को नुकसान होता है। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा व बैतूल जिलों में कोल्ड्रिफ ब्रांड के कफ सीरप के सेवन से 25 बच्चों की मौत हो गई थी।

साइनसाइटिस जैसे रोगों में विदेशी प्रोटोकाल के तहत हैवी एंटीबायोटिक्स देने से भारतीयों मरीजों के पेट में मौजूद गुड बैक्टीरिया (जो पाचन में सहायक होते हैं) खत्म हो जाते हैं ।(जैसा परियोजना से जुड़े विशेषज्ञों ने बताया)

साहब, केवल दो रोटी मिलती हैं, सरकारी हॉस्टल में तहसीलदार को देखते ही रो पड़े भूखे से मासूम

राजगढ़। मध्य प्रदेश में छात्रावास संचालकों की मनमानी कमजोर वर्ग के बच्चों पर भारी पड़ रही है। उन्हें भरपेट भोजन तक नसीब नहीं होता। रविवार को राजगढ़ के एक शासकीय बालक प्री-मैट्रिक विमुक्त जाति छात्रावास में निरीक्षण करने पहुंचे तहसीलदार विनीत गोयल को भूखे पेट रहने की व्यथा बताते हुए बच्चे रो पड़े। बच्चों ने कहा कि उन्हें हर रोज खाने में केवल दो रोटी दी जाती हैं। आज भी वह भूखे हैं, इस पर तहसीलदार ने होटल से भोजन मंगाकर बच्चों को खिलाया। दरअसल, पिछले दिनों शिकायत मिलने पर 20 फरवरी को अधिकारी निरीक्षण करने पहुंचे थे, जरूरी दिशा निर्देश भी दिए, लेकिन बच्चों से बात नहीं की। रविवार को एसडीएम अंकिता जैन ने तहसीलदार को छात्रावास भेजकर वास्तविकता पता करने को निर्देश दिया था। तहसीलदार पहुंचे तो छठवीं के छात्र ने बताया कि सुबह उन्हें केवल दो रोटियां दी हैं। और मांगने पर मना कर दिया।

वहीं, एक अन्य छात्र ने कहा कि कई बार उन्हें भूखे ही सोना पड़ता है। शिकायत करने पर डराया-धमकाया जाता है। घर भेज देने की चेतावनी दी जाती है ।बच्चों की मानें तो नाश्ते में रोज उन्हें पोहा, दोपहर में दाल-रोटी और रात में आलू-टमाटर या आलू-मटर की सब्जी मिलती है। विनीत गोयल ने बताया कि बच्चों के अनुसार उन्हें सही खाना नहीं दिया जा रहा, जली हुई रोटी दी जाती हैं। पंचनामा बनाया है, जिसे कलेक्टर को भेजा जाएगा।

लुधियाना में बनेगा देश का पहला हाईवे पार्किंग प्रोजेक्ट 750 गाड़ियों की होगी क्षमता, एनएचएआई ने दी मंजूरी

लुधियाना, 25 फरवरी [एजेंसी]। महानगर लुधियाना देश में पहला ऐसा महानगर बनने जा रहा है, जिसमें नेशनल हाईवे (फिरोजपुर रोड) के दोनों तरफ लोगों की सुविधा के लिए पार्किंग बनाई जाएगी। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की तरफ से भारत नगर चौक से लेकर सिधवां कैनाल तक बनने वाली इस परियोजना पर सहमति दे दी गई है ।रविवार को निकाय मंत्री संजीव अरोड़ा ने इस परियोजना का शुभारंभ किया। लुधियाना में यह योजना एक पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर किया जा रहा है, यहां पर कामयाबी मिलने के बाद इसे आगे पूरे देश में लागू किया जाएगा। इस साल के अंत तक पार्किंग बनने के बाद फिरोजपुर रोड के दोनों तरफ लगभग 750 गाड़ियों को पार्क किया जा सकेगा ।इससे डीसी दफ्तर के अलावा घुमार मंडी में पार्किंग समस्या से बड़ी राहत मिलेगी। अब घुमार मंडी में खरीदारी करने आने वाले वाहन चालक इस पार्किंग का आसानी से इस्तेमाल कर सकेंगे। लोगों से वाहन खड़े करने का शुल्क लिया जाएगा ।गौरतलब है कि फिरोजपुर रोड के साथ घुमार मंडी सहित अन्य बाजारों में इस समय पार्किंग एक बड़ी समस्या बन चुका है। इस समस्या के हल के लिए लंबे समय से फिरोजपुर रोड के साथ पार्किंग की मांग की जा रही थी। दिवंगत विधायक गुरप्रीत गोगी ने फिरोजपुर रोड के बीच खाली जगह पर पार्किंग बनाने की मांग रखी थी, जिसे एनएचएआई ने ठुकरा दिया था। एनएचएआई अधिकारियों का कहना था कि इससे फिरोजपुर रोड पर हादसे बढ़ जाएंगे। लोगों की इस समस्या को लेकर निकाय मंत्री संजीव अरोड़ा लंबे समय से एनएचएआई अधिकारियों के समक्ष उठा रहे थे। इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से सामने उठाया, जिसका नतीजा निकला कि देश में पहली बार किसी नेशनल हाईवे के साथ

पार्किंग सुविधा को बनाया जा रहा है। फिरोजपुर रोड के साथ लगभग 15 से 20 फुट खाली एरिया में इस पार्किंग को बनाया जाएगा। भारत नगर चौक से लेकर सिधवां कैनाल तक लगभग अढ़ाई किलोमीटर लंबी फिरोजपुर रोड के दोनों तरफ पार्किंग को बनाया जाएगा। इस पार्किंग के बनने से सबसे ज्यादा फायदा घुमारमंडी में खरीदारी करने आने वाले लोगों को रहेगा, क्योंकि घुमार मंडी में पार्किंग नहीं होने से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। आरती चौक से लेकर भाई बाला चौक तक घुमार मंडी को दो सड़कें जाती हैं। नई पार्किंग में गाड़ी पार्क करने के बाद लोग आसानी से पैदल चलकर घुमारमंडी में खरीदारी करने जा सकते हैं। इससे केवल लोगों को नहीं बल्कि घुमार मंडी दुकानदार को भी फायदा होगा।

रायपुर में धान से लदा ट्रक कार पर पलटा,3 मौतें:सर्जरी के बाद लौट रहे थे पति-पत्नी, बेटे ने पुणे से कैब बुक की थी

रायपुर रायपुर में धान से लदा ट्रक कार के ऊपर पलट गया। इस हादसे में कार सवार पति-पत्नी और ड्राइवर की मौत हो गई। सर्जरी के बाद दंपती घर लौट रहे थे। घटना विधानसभा थाना क्षेत्र की है।मृतकों की पहचान राजकुमार शर्मा (66), पद्मा शर्मा के रूप में हुई है। जो बलौदाबाजार के रहने वाले थे। ड्राइवर का नाम प्रवीण बताया जा रहा है। बड़े बेटे ने पुणे से ऑनलाइन कैब बुक की थी। इसी से शहर से बाहर निकले ही थे कि हादसा हो गया।जानकारी के मुताबिक, राजकुमार शर्मा (66) का रायपुर के एमएमआई अस्पताल में 10 फरवरी से भर्ती थे। वहां सफल बाइपास सर्जरी हुई थी। अस्पताल में भर्ती के दौरान वे बार-बार अपने बेटे मनीष शर्मा से घर तिल्दा जाने की जिद करते रहे।रविवार को शाम तक जब उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिली, तब घर लौटने के लिए बड़े बेटे मनोज शर्मा ने पुणे से ऑनलाइन कैब बुक की थी। कार सवार पति-पत्नी जैसे ही पुरानी विधानसभा के पास नरदहा पहुंचे तो धान से लदा ट्रक कार के ऊपर पलट गया।ट्रक और उसमें रखी धान की बोरियां एक साथ कार पर गिर गई। इस हादसे में कैब ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पति-पत्नी घायल

अवस्था में कार में फंसे रहे। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची इलाज शुरू होने के आधे घंटे के भीतर

दंपती की मौतस्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद कार में फंसे घायल दंपती को बाहर निकाला गया और पास के अस्पताल में पहुंचाया गया। लेकिन इलाज शुरू होने के आधे घंटे के भीतर दंपती की मौत हो गई।दोंदेकला जा रहा था ट्रकष्ठस्क्कवीरेंद्र चतुर्वेदी ने दोनों घायलों की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि ट्रक पलौद के धान केंद्र से दोंदेकला जा रहा था। ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की । रही है।ट्रक कार को ओवरटेक कर रहा थाप्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार डीपीएस स्कूल के सामने थी। स्पीड ब्रेकर के चलते कार की स्पीड कम थी। उसी समय बलौदाबाजार की ओर ही जा रहा धान लदा ट्रक कार को ओवरटेक कर रहा था। ब्रेकर में जर्क के चलते ट्रक का लॉकिंग हुक (पट्टा) टूट गया।ट्रक अनियंत्रित होकर बांईं ओर जा रही कार पर पलट गया। बताया जा रहा है कि बड़ा बेटा पुणे की एमएनसी में काम करता है और छोटा बेटा मनीष शर्मा रियल एस्टेट का काम देखता है।

स्काई पॉवर प्लांट के बाहर ट्रक और माजदा से 29 टन कबाड़ जब्त किया

रायगढ़ खरसिया के स्काई पॉवर प्लांट के बाहर खड़े ट्रक और माजदा वाहन में लोड 29 टन कबाड़ पुलिस ने जब्त किया है। कबाड़ से संबंधित वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर वाहनों को जब्त कर आगे की कार्रवाई की गई है।

शनिवार शाम पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम टेमटेमा स्थित स्काई पॉवर प्लांट गेट के बाहर तीन संदिग्ध वाहनों में अवैध कबाड़ लोड कर खड़ा किया गया है। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और वाहनों की जांच की। वाहन क्रमांक सीजी 13 एन 7028 में चालक कुंभकरण सिदार मिला।

उसके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच में वाहन और उसमें लदा सामान नियमानुसार परिवहन के लिए पाया गया, जिस पर वाहन को जाने दिया गया। वहीं ट्रक ओआर 06 एच 7626 और माजदा वाहन सीजी 13 एजेड 0819 में भारी मात्रा में कबाड़ लदा मिला, लेकिन मौके पर कोई चालक या संबंधित व्यक्ति मौजूद नहीं था। दोनों वाहनों की तलाशी के दौरान कबाड़ से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने पर इन वाहनों और कबाड़ के संबंध में वाहन स्वामी और संपत्ति के खिलाफ थाना खरसिया पुलिस ने धारा 106 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत वैधानिक कार्रवाई की है।

धमतरी के मगरलोड में चौथिया परघनी रस्म के दौरान विवाद

बैंड वालों ने दुल्हन के भाई को दौड़ा-दौड़ाकर मारा चाकू, मौत, 2 नाबालिग समेत 7 गिरफ्तार

रायपुर /धमतरी मगरलोड के भोथीडीह में चौथिया परघनी रस्म के दौरान विवाद के बाद चाकूबाजी में एक युवक की जान चली गई, जबकि 5 लोग घायल हो गए। मृतक चंदन निषाद, दुल्हन का सगा भाई था। चाकूबाजी की इस वारदात ने शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं।

पुलिस ने इस घटना में शामिल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 2 नाबालिग शामिल हैं। वारदात की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है, जिसमें आरोपी दौड़-दौड़कर लोगों पर चाकू से हमला करते नजर आ रहे हैं। एएसपी शैलेंद्र पांडेय ने बताया कि टेटकूराम निषाद (50) निवासी मालगांव गरियाबंद ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कि 21 फरवरी को वह अपनी बेटी के चौथिया कार्यक्रम में शामिल होने अपने परिवार और परिचितों के साथ

भोथीडीह मगरलोड गए थे।रात करीब 8 बजे बाजार चौक के पास परघनी के दौरान नाच-गान हो रहा था। इसी दौरान चंदन निषाद और अन्य लोगों का बैंड वालों से धक्का-मुक्की को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद, सभी आरोपियों ने मिलकर चंदन निषाद पर चाकू से हमला कर दिया। चंदन की मौत हो गई, जबकि तरुण व बीच-बचाव करने आए अन्य 5 लोग घायल हो गए।इन आरोपियों को गिरफ्तार कियामगरलोड पुलिस के मुताबिक, आरोपियों में तोषण चक्रधारी (18 वर्ष 4 माह), अभिषेक पटेल (20 वर्ष), हिनेश उर्फ हिलेश्वर (18 वर्ष 4 माह), ताम्रज कंवर (18 वर्ष 3 माह), गुलाब दीवान (20 वर्ष) और 2 नाबालिग शामिल हैं। सभी आरोपी भोथीडीह गांव के निवासी हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस विवाद के कारण की जांच कर रही है।पुलिस ने इस घटना में शामिल 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 2 नाबालिग शामिल हैं। वारदात की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है, जिसमें आरोपी दौड़-दौड़कर लोगों पर चाकू से हमला करते नजर आ रहे हैं। एएसपी शैलेंद्र पांडेय ने बताया कि टेटकूराम निषाद (50) निवासी मालगांव गरियाबंद ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कि 21 फरवरी को वह अपनी बेटी के चौथिया कार्यक्रम में शामिल होने अपने परिवार और परिचितों के साथ भोथीडीह मगरलोड गए थे।रात करीब 8 बजे बाजार चौक के पास परघनी के दौरान नाच-गान हो रहा था। इसी दौरान चंदन निषाद और अन्य लोगों का बैंड वालों से धक्का-मुक्की को लेकर विवाद हो गया।

सरेंडर से संगठन खत्म:ढह गया लाल किला... नक्सली जिसे अगला महासचिव बनाने वाले थे, उसी ने छोड़ा मैदान

जगदलपुरपिछले साल मई में बसवाराजू के एनकाउंटर में मारे जाने के बाद तिप्परी तिरुपति उर्फ देवजी को नक्सल संगठन का अगला महासचिव माना जा रहा था। नक्सलियों की ओर से इसकी आधिकारिक घोषणा होती, इससे पहले ही देवजी ने अपने 18 साथियों के साथ तेलंगाना में सुरक्षा बलों के सामने घुटने टेक दिए हैं।

नक्सल आंदोलन के लिए इस आत्मसमर्पण को सबसे बड़े झटके के तौर पर देखा जा रहा है। देवजी संगठन के सबसे वरिष्ठ नेताओं में था। 2025 में पूर्व महासचिव बसवाराजू के मारे जाने के बाद उसी का नाम सामने आया था। देवजी (60 वर्ष) ने न केवल पार्टी के रणनीतिक निर्णयों में अहम भूमिका निभाई, बल्कि युद्ध कला और माओवादी आंदोलनों के समन्वय में भी गहरी पैठ बना रखी थी। उसके सरेंडर को नक्सल संगठन के नेतृत्व गिरने और लाल किले की दीवार ढहने जैसा करार दिया जा रहा है।

देवजी ने तेलंगाना के मुलुगु जिले में पुलिस और एसआईबी के सामने हथियार डाल दिए। उसके साथ 18 से ज्यादा अन्य माओवादी नेताओं और कैडरों ने भी सरेंडर किया।विशेषज्ञों का

कहना है कि सरकार की मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने की घोषणा और सख्त सुरक्षात्मक रणनीति ने नक्सल संगठन में विभाजन और असंतोष को जन्म दिया है। इसी के चलते बड़े लीडर सरेंडर कर रहे हैं।

पुराने कमांडर मैदान छोड़ रहे, नए कैडर के पास नेतृत्व नहीं

नक्सल संगठन इस समय नेतृत्व संकट के दौर से गुजर रहा है। पुराने और प्रशिक्षित नेता लगातार मुख्यधारा में लौट रहे हैं, तो संगठन की कमान संभालने सक्षम नेतृत्व शेष नहीं है। स्थिति ये है कि जिन युवा कैडरों को भविष्य का चेहरा माना जा रहा था, उनकी न तो वैचारिक पकड़ पुराने नेतृत्व जैसी मजबूत है और न ही गुरिल्ला युद्ध की रणनीतिक समझ। संगठन में निर्णय लेने, संसाधनों के बंटवारे और अभियानों की योजना बनाने जैसी प्रक्रिया प्रभावित हो रही हैं। नतीजतन नए नक्सली कार्यकर्ता दिशा हीनता का सामना कर रहे हैं।देवजी ने तेलंगाना के मुलुगु जिले में पुलिस और एसआईबी के सामने हथियार डाल दिए। उसके साथ 18 से ज्यादा अन्य माओवादी नेताओं और कैडरों ने भी सरेंडर किया।विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार की मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने की घोषणा और सख्त सुरक्षात्मक रणनीति ने नक्सल संगठन में विभाजन और असंतोष को जन्म दिया है।

चिरमिरी में नशे के कारोबार पर पुलिस का शिकंजा

एमसीबी/चिरमिरी, 22 फरवरी (एजेंसी)। जिले में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफचलाये जा रहे अभियान के तहत चिरमिरी पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कार्यवाही करते हुए 10 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि क्षेत्र में अवैध रूप से महुआ शराब का निर्माण और बिक्री की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए संदिग्ध महिला की घेराबंदी कर उसे पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से लगभग 10 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद की गई जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया।थाना प्रभारी विजय सिंह ने बताया कि यह कार्यवाही क्षेत्र में चलाये जा रहे 'नशा मुक्त अभियान' के तहत की गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध नशे के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफसख्त कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने से ना केवल अपराधों में कमी आयेगी बल्कि युवाओं को भी नशे की गिरफ्त में जाने से बचाया जा सकेगा।चिरमिरी पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कहीं भी अवैध शराब या अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री की जानकारी मिले तो तत्काल पुलिस को सूचित करें ताकि समय रहते उचित कार्यवाही की जा सके।

(रायपुर) नीट की तैयारी कर रहे छात्र ने की आत्महत्या, गले में तार बांधकर लगाई छलांग, इलाके में मचा हड़कंप

रायपुर, 22 फरवरी (आरएनएस)। राजधानी के पुरानीबस्ती थाना क्षेत्र अंतर्गत भांठागांव स्थित अवधपुरी में नीट की तैयारी कर रहे एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक छात्र ने दो मंजिला इमारत से गले में जीआई तार बांधकर छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान रायगढ़ निवासी पुष्पेंद्र पटेल के रूप में हुई है। वह भांठागांव में किराए के मकान में रहकर नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा था। घटना के बाद वह फंदे पर लटका हुआ मिला, जिसे देख इलाके में हड़कंप मच गया। इस दौरान आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुरानीबस्ती थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। छात्र के इस कदम के पीछे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

अस्पताल में हंगामा कर डॉक्टर से किया मारपीट, आरोपी के खिलाफ जुर्म दर्ज

कवर्धा, 22 फरवरी (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले के बोड़ला स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गंभीर घटना सामने आई है, जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर के साथ एक युवक द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, आरोपी अपनी गर्भवती पत्नी को प्रसव के लिए अस्पताल लेकर पहुंचा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर उसका डॉक्टर और अस्पताल स्टाफ से विवाद हो गया, जो देखते ही देखते हिंसक रूप ले बैठा।

बताया जा रहा है कि युवक नशे की हालत में था और इलाज को लेकर कर्मचारियों से बहस करने लगा। विवाद बढ़ने पर उसने डॉक्टर के साथ हाथापाई शुरू कर दी। बीच-बचाव करने आई एक महिला स्वास्थ्यकर्मी के साथ भी धक्का-मुक्की किए जाने की बात सामने आई है। घटना के दौरान अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और वहां मौजूद मरीजों व उनके परिजनों में भय का माहौल बन गया। अस्पताल के अन्य कर्मचारियों और लोगों ने किसी तरह स्थिति को नियंत्रित करते हुए आरोपी को काबू में किया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गई है। अस्पताल स्टाफने आरोपी के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, युवक के खिलाफ मारपीट, शासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है।

अज्ञात महिला की संदिग्ध मौत, चेहरे पर वार के निशान, हत्या की आशंका

डोंगरगढ़, 22 फरवरी (एजेंसी)। राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अछोली नाला में एक अज्ञात महिला का शव संदिग्ध हालत में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। महिला का चेहरा किसी भारी वस्तु से बुरी तरह क्षतिग्रस्त पाया गया है, जिससे प्रथम दृष्ट्या हत्या की आशंका जताई जा रही है।शव की जानकारी मिलते ही स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची डोंगरगढ़ पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को भी घटनास्थल पर बुलाया गया, जिन्होंने साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास के क्षेत्र की गहन पड़ताल की। पुलिस के अनुसार, अब तक मृतका की पहचान नहीं हो सकी है, जिससे जांच और चुनौतीपूर्ण हो गई है। आसपास के गांवों में गुमशुदगी के मामलों की जानकारी खंगाली जा रही है। साथ ही इस बात की भी जांच की जा रही है कि हत्या कहीं कर शव को यहां लाकर फेंका गया है या वारदात स्थल यही है।

131 जवानों के हत्यारे देवजी का सरेंडर,दो और की बारी:रमन्ना-बेसरा के सरेंडर, एनकाउंटर से नक्सलवाद खत्म होगा, अब बस्तर में सिर्फ 200 नक्सली

जगदलपुर नक्सली संगठन के महासचिव और पोलित ब्यूरो मेंबर थिप्परी तिरुपति उर्फ देवजी ने सरेंडर कर दिया है। 22 फरवरी को तेलंगाना पुलिस के सामने उसने अपने साथियों के साथ हथियार डाल दिए। देवजी बस्तर के 131 से ज्यादा जवानों का हत्यारा है। ताड़मेटला-रानीबोदली अटैक का मास्टरमाइंड है।देवजी के बाद रमन्ना और बेसरा के सरेंडर या एनकाउंटर से छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद खत्म हो जाएगा, अब बस्तर में सिर्फ 200 नक्सली ही बचे हैं।बता दें कि देवजी (65) तेलंगाना के जगतियाल जिले का रहने वाला है और उसका आत्मसमर्पण संगठन के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। बसवा राजू के एनकाउंटर के बाद नक्सल संगठन ने देवजी को महासचिव बनाया था। वर्तमान में ये नक्सल संगठन का सबसे बड़ा लीडर

है।इस पर सिर्फ छत्तीसगढ़ में ही करीब डेढ़ करोड़ रुपए का इनाम घोषित है। इसके साथ ही माओवादी नेता मल्ला राजी रेड्डी और सीपीआई (माओवादी) के कई नक्सलियों ने भी आत्मसमर्पण किया है।

गृहमंत्री विजय शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कर्रेगुट्टा में अभियान चल रहा है। अभी तक 89 आईईडी बरामद हो चुकी है। बताया जा रहा है इस अभियान के तहत बाकी बचे नक्सलियों को आखिरी मौका दिया गया है कि वे मुख्य धारा में वापस लौट आए।बता दें कि 17 फरवरी कोनेतृत्व में सुरक्षा बलों ने कर्रेगुट्टा 2 लॉन्च किया है। इसके तहत पुलिस शेष बचे नक्सली लीडर मिसिर बेसरा उर्फ भास्कर, राममन्ना उर्फ गणपति उर्फ लक्ष्मण राव और राजी रेड्डी समेत 300 नक्सलियों की तलाश कर रही है।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. का कहना है कि, सीमावर्ती राज्य में कुछ वरिष्ठ नक्सली कैडरों के आत्मसमर्पण की खबरों को लेकर काफी चर्चा चल रही है। प्रोटोकॉल के अनुसार, ऐसी किसी भी घटना, कार्रवाई या घटनाक्रम की आधिकारिक पुष्टि केवल संबंधित एजेंसियों या संबंधित राज्य अधिकारी ही कर सकते हैं।वर्तमान परिस्थितियों में जब नक्सली संगठन लगातार अपने अंत की ओर बढ़ रहा है। उसके कैडरों के पास हिंसा त्यागकर समाज की मुख्यधारा में लौटने के अतिरिक्त कोई सार्थक विकल्प नहीं है।बस्तर में करीब 200 नक्सली बचेनक्सल संगठन में बस्तर के अलग-अलग इलाकों में करीब 200 आर्म कैडर के नक्सली ही बचे हुए हैं, जो टुकड़ों में यहां-वहां छिपे हुए हैं। नक्सलियों का महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ जोन पूरी तरह से खत्म हो गया है। उत्तर बस्तर और माड़ डिवीजन से भी नक्सलियों का लगभग सफाया हो गया है।

जानकारी के मुताबिक दक्षिण बस्तर के जंगलों में पापाराव अपने साथियों के साथ अलग-अलग टुकड़ियों में छिपे हुए हैं। जबकि मिशिर बेसरा झारखंड में है।गणपति भाकपा (माओवादी) का पूर्व महासचिव था। 1992 में वो पीपुल्स वॉर ग्रुप का महासचिव बना और 2004 में (माओवादी) बनने के बाद 2018 तक इसकी कमान संभाली। पोलित ब्यूरो मेंबर और

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. ठुड्डी पर के बाल, ठुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

1		■	2	■	3		4	
	■	5			■	■		■
6				■	7	8		9
	■		■	10			■	
■	11				■	12		
13		■	■	14	14ए		■	■
	■	15				■	16	■
	■		■		■	17		18
■	19			■	20			

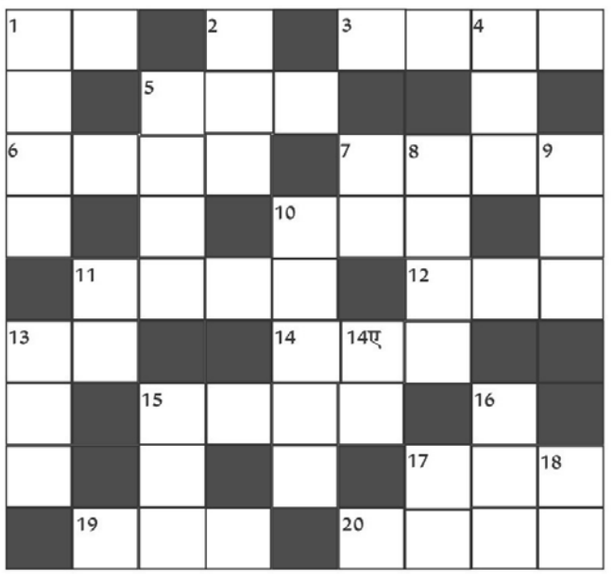

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां	■	■	इं	■	■	■
स	ह	■	ब	र	सा	त	■	प
■	क	हा	नी	■	न	क	च	ढ़ा
त	■	■	स्ब	■	■	ली	■	ई
क	या	म	त	■	क	फ	न	■
दी	■	र्दा	■	बा	बू	■	ह	वा
र	ह	ना	■	ल	त	खो	र	■
■	वा	■	नौ	क	र	■	■	सा
भा	ई	■	का	■	■	बा	द	ल

टी20 में रनों के लिहाज से वेस्टइंडीज की दूसरी बड़ी जीत, जिम्बाब्वे को हराया, तालिका में शीर्ष पर

मुंबई (एजेंसी)। शिमरॉन हेटमायर की शानदार बल्लेबाजी के बाद गुडाकेश मोती की अगुआई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन से वेस्टइंडीज ने टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में जिम्बाब्वे को 107 रनों से हराया। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 254 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 17.4 ओवर में 147 रन पर ऑलआउट हो गई। जिम्बाब्वे के लिए ब्रैड इवांस ने अंत में विस्फोटक बल्लेबाजी की, लेकिन वह भी टीम को जीत नहीं दिला सके। यह टी20 में वेस्टइंडीज की रनों के लिहाज से दूसरी बड़ी जीत है। इससे पहले उसने 2024 में युगांडा को 134 रनों से हराया था।

अंक तालिका में बड़ा फेरबदल

वेस्टइंडीज की धमाकेदार जीत से ग्रुप-1 की अंक तालिका में बड़ा फेरबदल हुआ है। वेस्टइंडीज की टीम शीर्ष पर पहुंच गई है और उसका नेट रन रेट +5.350 है। वहीं, दूसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका की टीम है जिसका नेट रन रेट +3.800 है। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था और उसका नेट रन रेट -3.800 है और तीसरे स्थान पर है। मालूम हो कि ग्रुप से शीर्ष दो टीमें ही सेमीफाइनल में प्रवेश कर सकेंगी।

जिम्बाब्वे की खराब बल्लेबाजी

बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी बेहद खराब रही। गुडाकेश मोती और अकील हुसैन के फिरकी के जादू से वेस्टइंडीज ने मैच में पकड़ बना ली। बाएं हाथ के स्पिनर मोती (28 रन पर चार विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने जिम्बाब्वे की पारी पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सकी। जिम्बाब्वे की ओर से ब्रैड इवांस ने 21 गेंद में पांच छक्कों और दो चौकों से सर्वाधिक 43 रन

बनाए। उनके अलावा डियोन मायर्स (28) और कप्तान सिकंदर रजा (27) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि उसके चार बल्लेबाज तो खाता भी नहीं खोल सके। वेस्टइंडीज के लिए मोती के अलावा बाएं हाथ के स्पिनर हुसैन ने 28 रन देकर तीन, जबकि मैथ्यू फोर्ड ने 27 रन देकर दो विकेट चटकाए।

वेस्टइंडीज ने बनाया टी20 विश्व कप का दूसरा सर्वोच्च स्कोर

शिमरॉन हेटमायर और रोवमैन पोवेल के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से वेस्टइंडीज ने टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया, लेकिन वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों ने इसे गलत साबित करने में ज्यादा देर नहीं लगाई। इस दौरान दो बार हेटमायर के कैच छूटे, लेकिन उन्होंने इस जीवनदान का पूरा फायदा उठाया। हेटमायर ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान 34 गेंद में सात छक्कों और इतने ही चौकों की मदद से 85 रन की पारी खेलने के अलावा पोवेल (59 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 52 गेंद में 122 रन की साझेदारी करके वेस्टइंडीज को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। शेरफेन रदरफोर्ड ने भी 13 गेंद में दो छक्कों और तीन चौकों से नाबाद 31 रन की तेजतर्रार पारी खेली।वेस्टइंडीज की पारी

वेस्टइंडीज ने तीसरे ओवर में ब्रेंडन किंग (09) का विकेट गंवाया जिन्होंने नगारवा की गेंद पर ताशिंगा मुसेकिवा को कैच थमाया। वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में दो विकेट पर 55 रन बनाए। हेटमायर ने नगारवा पर चौके से खाता खोला जबकि मुजरबानी की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। उन्होंने नगारवा के अगले ओवर में भी लगातार दो चौके जड़े। हेटमायर ने 10वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। हेटमायर की पारी का अंत क्रेमर ने किया। जिम्बाब्वे की ओर से रिचर्ड नगारवा और ब्लेसिंग मुजरबानी ने क्रमश: 47 और 42 रन देकर दो-दो विकेट चटकाए। कप्तान सिकंदर रजा ने तीन ओवर में 52 रन लुटाए।जिम्बाब्वे की खराब बल्लेबाजीबड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी बेहद खराब रही। गुडाकेश मोती और अकील हुसैन के फिरकी के जादू से वेस्टइंडीज ने मैच में पकड़ बना ली। बाएं हाथ के स्पिनर मोती (28 रन पर चार विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी के सामने जिम्बाब्वे की पारी पूरे 20 ओवर भी नहीं खेल सकी। जिम्बाब्वे की ओर से ब्रैड इवांस जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी इस

टी-20 विश्व कप 2026: डेविड मिलर ने भारत के खिलाफ जड़ा तीसरा अर्धशतक

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप 2026 के 43वें मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज डेविड मिलर ने भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ 63 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 9वां और भारत के खिलाफ तीसरा अर्धशतक रहा, जिसे उन्होंने मात्र 26 गेंदों में पूरा किया। टी-20 विश्व कप में मिलर के बल्ले से निकला यह तीसरा अर्धशतक है। ऐसे में आइए उनकी पारी

और रिकॉर्ड्स पर एक नजर डाल लेते हैं।दक्षिण अफ्रीका को शुरुआती झटके लगे और टीम के 3 बल्लेबाज महज 20 रन पर पवेलियन लौट गए।इसके बाद मिलर ने डेवाल्ड ब्रेविस के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों के बीच 50 गेंदों में 97 रन की अहम साझेदारी हुई।ब्रेविस 45 रन बनाकर आउट हुए। मिलर ने सिर्फ 35 गेंदों का सामना किया और 63 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उनकी स्ट्राइक रेट 180 की रही।

जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-8 मैच के लिए चेन्नई पहुंची टीम इंडिया, हार्दिक के साथ माहिका भी आई नजर

चेन्नई (एजेंसी)। भारत और जिम्बाब्वे के बीच गुरुवार यानी 26 फरवरी को सुपर-8 का मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच के लिए टीम इंडिया सोमवार को चेन्नई पहुंच गई। इस दौरान हार्दिक पांड्या के साथ उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा भी नजर आईं।सुपर-8 के अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीम की नजरें अब दोनों मुकाबले जीतने पर हैं। सोमवार को टीम इंडिया जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच के लिए चेन्नई पहुंच गई। इस दौरान एयरपोर्ट पर हार्दिक पांड्या के साथ उनकी गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा भी नजर आईं। जिम्बाब्वे से गुरुवार को होगा सामनाभारतीय टीम सुपर-8 का अपना दूसरा मुकाबला गुरुवार यानी 26 फरवरी को जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलेगी। दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारत के लिए अगले दोनों मैच जीतना अहम हो गया है। एक भी गलती सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम के लिए और मुश्किलें खड़ी कर सकती है। आगामी मैच के लिए टीम इंडिया चेन्नई पहुंच गई। गर्लफ्रेंड माहिका के साथ चेन्नई पहुंचे हार्दिकटीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा

के साथ चेन्नई पहुंचे हैं। यह पहला मौका नहीं है जब हार्दिक अपनी गर्लफ्रेंड के साथ सफर कर रहे हैं। इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ ग्रुप चरण मुकाबले के लिए जब टीम इंडिया ने कोलंबो का दौरा किया था, तब भी माहिका को उनके साथ स्पॉट किया गया था।अंक तालिका की मौजूदा तस्वीरसुपर-8 ग्रुप 1 में दक्षिण अफ्रीका दो अंकों और +3.800 के शानदार नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर है, जबकि भारत एक मैच में हार के बाद शून्य अंक और -3.800 के साथ सबसे नीचे खिसक गया है। -3.800 नेट रन रेट का मतलब है कि भारत को अगले दोनों मैच भारी अंतर से जीतने होंगे। हालांकि, दोनों मैच में जीत भी भारत को सेमीफाइनल की गारंटी नहीं देता है। एक भी गलती सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम के लिए और मुश्किलें खड़ी कर सकती है। आगामी मैच के लिए टीम इंडिया चेन्नई पहुंच गई। गर्लफ्रेंड माहिका के साथ चेन्नई पहुंचे हार्दिकटीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या गर्लफ्रेंड माहिका शर्मा के साथ चेन्नई पहुंचे हैं। यह पहला मौका नहीं है जब हार्दिक अपनी गर्लफ्रेंड के साथ सफर कर रहे हैं।

व्यापार

1 अप्रैल से नेशनल हाईवे पर बंद हो सकती है कैश पेमेंट, पूरी तरह डिजिटल टोल सिस्टम लागू करने की योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) देश भर के नेशनल हाईवे टोल प्लाजा पर 1 अप्रैल 2026 से नकद लेनदेन पूरी तरह बंद करने पर विचार कर रहा है।इस कदम से नेशनल हाईवे पर पूरी तरह डिजिटल टोलिंग सिस्टम विकसित किया जाएगा। योजना लागू होने के बाद सभी टोल भुगतान केवल डिजिटल माध्यम से किए जाएंगे, जिनमें फास्टैग या यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उपयोग होगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, इस प्रस्ताव का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन से मिली उपलब्धियों को मजबूत करना और टोल प्लाजा संचालन की दक्षता और विश्वसनीयता को बढ़ाना है।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, यह बदलाव नेशनल हाईवे उपयोगकर्ताओं के लिए 'ईज ऑफ कम्यूटिंग' को बेहतर बनाएगा। इससे लेन की क्षमता बढ़ेगी, टोल प्लाजा पर भीड़ कम होगी और टोल ट्रांजैक्शन में पारदर्शिता आएगी। देश में फास्टैग की पहुंच 98 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है, जिससे टोल संग्रह प्रणाली में बड़ा बदलाव आया है। अधिकांश टोल ट्रांजैक्शन अब आरएफआईडी आधारित फास्टैग के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से किए जा रहे हैं, जिससे टोल प्लाजा पर वाहनों की आवाजाही बिना रुकावट और संपर्क रहित तरीके से हो रही है।एनएचएआई के अनुसार, नेशनल हाईवे टोल प्लाजा पर यूपीआई भुगतान की सुविधा भी शुरू कर दी गई है, जिससे यात्रियों को तुरंत और आसान डिजिटल भुगतान विकल्प मिल रहे हैं। वर्तमान में यदि कोई वाहन बिना वैध और सक्रिय फास्टैग के टोल प्लाजा में प्रवेश करता है और नकद भुगतान करता है, तो उससे निर्धारित शुल्क का दोगुना लिया जाता है।

वहीं, जो उपयोगकर्ता यूपीआई के जरिए भुगतान करते हैं, उनसे निर्धारित वाहन श्रेणी के अनुसार 1.25 गुना शुल्क लिया जाता है। सरकार का कहना है कि केवल डिजिटल भुगतान प्रणाली अपनाने से संचालन में दक्षता बढ़ेगी, ट्रैफिक प्रबंधन बेहतर होगा, देरी कम होगी और देश भर के 1,150 से अधिक टोल प्लाजा पर यात्रियों का अनुभव बेहतर होगा।इस बीच, फास्टैग वार्षिक पास के उपयोगकर्ताओं की संख्या 50 लाख से अधिक हो गई है। लॉन्च के छह महीनों के भीतर 26.55 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए हैं। यह वार्षिक पास 3,000 रुपए के एकमुश्त भुगतान पर एक वर्ष या 200 टोल पार करने तक मान्य होता है, जिससे बार-बार रिचार्ज कराने की जरूरत नहीं पड़ती।

रिटायरमेंट की टेंशन खत्म! पीपीएफ से बिना रिस्क बनाएं 1 करोड़ का फंड, हर महीने मिलेगी 61,500 रुपये की शानदार पेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुढ़ापे में पैसों की चिंता अमूमन हर इंसान को सताती है। लोग अक्सर सोचते हैं कि नौकरी के बाद उनका खर्च कैसे चलेगा और इसके लिए वे शेयर बाजार जैसे जोखिम भरे विकल्पों की ओर भागने लगते हैं। लेकिन अगर आप बिना कोई रिस्क उठाए एक सुरक्षित और तय आमदनी का मजबूत जरिया तलाश रहे हैं, तो सरकार की एक बेहद लोकप्रिय योजना आपकी सारी चिंताएं दूर कर सकती है। हम बात कर रहे हैं पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ की। इस स्कीम में अनुशासित तरीके से किया गया लंबी अवधि का निवेश आपको न सिर्फ करोड़पति बना सकता है, बल्कि रिटायरमेंट के बाद आपकी मूल रकम को सुरक्षित रखते हुए हर महीने एक मोटी और टैक्स-फ्री आमदनी का भी पक्का इंतजाम कर सकता है।

पीपीएफ ही क्यों है सुरक्षित भविष्य के लिए पहली पसंद

पीपीएफ दशकों से भारत की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली लॉन्ग-टर्म सेविंग्स स्कीम बनी हुई है। इसे सीधे तौर पर सरकार का समर्थन प्राप्त है, जो इसे बाजार के सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में लाकर खड़ा कर देता है। आयकर अधिनियम की पुरानी व्यवस्था के तहत सेक्शन 80सी में निवेशकों को टैक्स छूट का लाभ मिलता है और सबसे बड़ी बात यह है कि मैच्योरिटी पर मिलने वाली पूरी रकम टैक्स-फ्री होती है। फिलहाल सरकार इस पर 7.1 फीसदी सालाना के हिसाब से ब्याज दे रही है, जिसकी हर तिमाही समीक्षा की जाती है। हालांकि 1990 और 2000 के दशक की तुलना में अब ब्याज दरें कम हुई हैं, लेकिन गिरती ब्याज दरों के इस दौर में भी अन्य फिक्स्ड-इनकम वाले विकल्पों की तुलना में इसका टैक्स-फ्री रिटर्न सुरक्षित भविष्य चाहने वाले निवेशकों के लिए बेहद आकर्षक बना हुआ है।

खाते के संचालन और निवेश से जुड़े कुछ खास नियम

इस सरकारी योजना में निवेश के नियम बेहद सरल और स्पष्ट हैं। कोई भी नागरिक एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 500 रुपये और अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का निवेश कर सकता है। पीपीएफ खाते का लॉक-इन पीरियड 15 साल का होता है, लेकिन आप इसे अपनी सुविधानुसार आगे भी बढ़ा सकते हैं। 15 साल पूरे होने के बाद इसे पांच-पांच साल के ब्लॉक में हमेशा के लिए बढ़ाया जा सकता है। यह विस्तार नए निवेश के साथ या उसके बिना भी किया जा सकता है। अगर आप 15 साल बाद भी निवेश जारी रखना चाहते हैं, तो मैच्योरिटी के एक साल के भीतर आपको फॉर्म एच जमा करना अनिवार्य होता है। इस खाते में ब्याज की गणना हर महीने की 5 तारीख के बाद सबसे कम बैलेंस पर की जाती है, जो सालाना कंपाउंड होकर वित्तीय वर्ष के अंत में आपके खाते में जुड़ जाती है।

ऐसे तैयार होगा 1 करोड़ रुपये का मोटा फंडकरोड़पति बनने का गणित काफी सीधा है। अगर आप पीपीएफ खाते में हर साल अधिकतम सीमा यानी 1.5 लाख रुपये का निवेश करते हैं और ब्याज दर 7.1 फीसदी बनी रहती है, तो 15 साल बाद आपके पास 40.68 लाख रुपये का फंड तैयार हो जाएगा। यदि आप इसे अगले पांच साल के लिए बढ़ाते हैं (यानी कुल 20 साल के लिए), तो यह रकम बढ़कर 66.58 लाख रुपये हो जाएगी। वहीं, दूसरे पांच साल के एक्सटेंशन के बाद यानी कुल 25 सालों के निरंतर निवेश के बाद आपका यह कॉर्पस बढ़कर 1.04 करोड़ रुपये के जादुई आंकड़े को छू लेगा। इस तरह शुरुआती 15 साल की मैच्योरिटी के 10 साल बाद तक निवेश जारी रखकर आप एक करोड़ रुपये का लक्ष्य बड़ी ही आसानी से हासिल कर सकते हैं।

हर महीने 61,500 रुपये की आमदनी का यह है गणित

अब कल्पना कीजिए कि 25 साल बाद आपके पास 1.04 करोड़ रुपये का बड़ा फंड तैयार है। इसके बाद आप अपनी तरफ से पैसा जमा करना बंद कर देते हैं और सिर्फ इस पूरी रकम को पीपीएफ खाते में ही रहने देते हैं। 1.04 करोड़ रुपये पर 7.1 फीसदी की दर से आपको हर साल करीब 7.38 लाख रुपये सिर्फ ब्याज के तौर पर मिलेंगे। अगर इस सालाना ब्याज को 12 महीनों में बांट दिया जाए, तो यह रकम लगभग 61,533 रुपये प्रति माह बैठती है। इस पूरी प्रक्रिया की सबसे बड़ी खूबी यह है कि आपको मिलने वाली यह शानदार मासिक पेंशन केवल आपके ब्याज से आ रही होगी, जबकि आपका 1.04 करोड़ रुपये का मूलधन खाते में बिल्कुल सुरक्षित बना रहेगा।

रिटायरमेंट प्लानिंग और खाता खुलवाने की काम की बातें

सुरक्षित भविष्य के लिहाज से यह रणनीति इसलिए बेहद कारगर है क्योंकि इसमें आपकी पूंजी पूरी तरह सुरक्षित रहती है, नियमित आमदनी का जरिया बनता है और मैच्योरिटी राशि पर कोई टैक्स भी नहीं लगता है। लंबे समय तक जुड़े रहने से कंपाउंडिंग (चक्रवृद्धि) का शानदार फायदा मिलता है। आप अपनी सुविधा के अनुसार यह खाता किसी भी बैंक या पोस्ट ऑफिस में खुलवा सकते हैं, दोनों ही जगहों पर नियम और रिटर्न एक समान रहते हैं। ऑनलाइन सुविधाओं के लिए बैंक और फिजिकल ब्रांच के लिए पोस्ट ऑफिस का चुनाव किया जा सकता है। हालांकि, निवेश करते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि 1.5 लाख रुपये की सालाना सीमा किसी भी हाल में पार नहीं की जा सकती। इसके अलावा 25 साल एक लंबी अवधि है, जिसमें ब्याज दरें बदल सकती हैं और महंगाई के असर के कारण भविष्य में 61,500 रुपये की वैल्यू आज जैसी नहीं रहेगी, इसलिए पूरी समझदारी और अनुशासन के साथ निवेश की शुरुआत करें।

व्हाट्सएप ने रोलआउट किया धांसू फीचर, अब ग्रुप में जुड़ने वाले नए मेंबर्स को आ जाएगा मजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मेटा के स्वामित्व वाले लोकप्रिय मेसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप ने अपने यूजर्स की एक बड़ी परेशानी को दूर करते हुए 'ग्रुप मैसेज हिस्ट्री' नाम का एक बेहद काम का नया फीचर रोलआउट किया है। यह बड़ा अपडेट विशेष रूप से उन ग्रुप्स के लिए काफी फायदेमंद साबित होगा, जहां अक्सर नए लोगों को जोड़ा जाता है। अब तक किसी भी नए सदस्य को ग्रुप में ऐड किए जाने पर वह केवल उसी समय के बाद के मैसेज पढ़ पाता था, जिससे उसे चल रही बातचीत का संदर्भ समझने में काफी दिक्कत होती थी। इस नए फीचर के आने से अब ग्रुप में शामिल होने वाले नए मेंबर्स उन हालिया संदेशों को भी आसानी से देख सकेंगे, जो उनके जुड़ने से पहले भेजे गए थे। इससे ग्रुप ऑनबोर्डिंग आसान होगी और नए सदस्य को बार-बार पुरानी बातों के बारे में पूछने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

ग्रुप एडमिन के हाथों में होगा इस फीचर का पूरा कंट्रोलव्हाट्सएप का यह नया फीचर पूरी तरह से वैकल्पिक (ऑप्शनल) रखा गया है, जिसका पूरा नियंत्रण केवल ग्रुप एडमिन के पास ही होगा। एडमिन यह तय कर सकेंगे कि वे नए जुड़ने वाले सदस्यों के साथ पुरानी चैट हिस्ट्री शेयर करना चाहते हैं या नहीं। इसके साथ ही, एडमिन को यह भी चुनने का विकल्प मिलेगा कि वे कितने पुराने मैसेज शेयर करना चाहते हैं। कंपनी के अनुसार, इसकी शुरुआत कम से कम 25 मैसेज के साथ की जा सकती है।

ससे प्रोफेशनल, कम्युनिटी या पर्सनल ग्रुप चलाने वाले एडमिन अपनी सुविधा और जरूरत के अनुसार सेटिंग्स को आसानी से कस्टमाइज कर सकेंगे और पुरानी बातों को बार-बार फॉरवर्ड करने के झंझट से बचेंगे। प्राइवेसी का रखा गया है पूरा ध्यान, मेंबर्स को मिलेगी ।

एयरटेल का शानदार तोहफा, कंपनी ने अपने इन यूजर्स के लिए किया अनलिमिटेड डेटा का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की दूसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी एयरटेल ने अपने ग्राहकों को एक शानदार तोहफा दिया है। कंपनी ने अब अपने सभी पोस्टपेड प्लान्स पर अनलिमिटेड डेटा देने का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। पहले यह खास ऑफर केवल कुछ चुनिंदा सर्किलों तक ही सीमित था, लेकिन अब इसे देश भर के सभी सर्किलों के लिए लागू कर दिया गया है। कंपनी अपने एआरपीयू को बेहतर बनाने के मकसद से यह कदम उठा रही है, ताकि अधिक से अधिक ग्राहक प्रीपेड से पोस्टपेड की ओर स्विच करने के लिए आकर्षित हों। 449 रुपये वाले बेस प्लान में मिलेंगे ढेरों फायदे एयरटेल के पोस्टपेड प्लान्स की शुरुआती कीमत 449 रुपये है, जिस पर 18 प्रतिशत जीएसटी का भुगतान अलग से करना होता है।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन जल्द शुरू करने की कवायद

शहर में चलने वाले 6000 से भी अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों को मिलेगी सुविधा

कोरबा (छ.ग.गौरव)। शहर में चलने वाले 6000 से भी अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन की सुविधा जल्द शुरू होने वाली है। निगम प्रशासन की ओर से सुनालिया चौक के समीप मल्टीलेवल पार्किंग और स्मृति उद्यान के निकट शेड तैयार किया गया है। 50 लाख की लागत से चार्जिंग मशीन भी खरीदी की जा चुकी है लेकिन 3 माह बीत जाने के बाद भी मशीन के लिए पावर सप्लाई की व्यवस्था नहीं की गई है।

सुविधा के अभाव में लो बैटरी होने पर वाहन चालकों को घर वापस लौटना पड़ रहा है। केंद्र सरकार के नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत यह चार्जिंग स्टेशन स्थापित किये जा रहे हैं। कोरबा शहर देश के सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में शामिल है, जहां इको फ्रेंडली ग्रीन एनर्जी वाले ई-व्हीकल को बढ़ावा देने के लिए चार्जिंग स्टेशन स्थापित किया जा रहा है.पेट्रोल डीजल की बढ़ती कीमतों के चलते तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों की डिमांड बाजार में बढ़ी है। निजी हो चाहे कमर्शियल लोग ई-व्हीकल की ओर रुख करने लगे हैं। जिस तादाद में शहर में दौड़ने वाली ई-रिक्शा की बढ़त हो रही उससे अनुसार शहर में चार्जिंग प्वाइंट का होने आवश्यक हो गया है। बात करें ई रिक्शा की तो, 3 साल पहले शहर में ई-रिक्शा की संख्या 100 थी, जो अब बढ़कर 1500 हो चुकी है। सामान्य तौर पर ई-रिक्शा फुल चार्ज करने पर 70 से 80 किलोमीटर की दूरी तय करता है। वर्तमान में चार्जिंग स्टेशन नहीं होने से वाहन चालक लंबी दूरी सवारी नहीं ले जा रहे हैं। उन्हे हमेशा इस बात का डर होता है कि यात्री सेवा देते समय कहीं चार्जिंग खत्म न हो जाए। वाहनों की संख्या में बढ़ोतरी को देखते हुए वाहन चालकों चार्जिंग स्टेशन की लंबे समय से मांग थी। ई-वाहन चालक घर में रात भर चार्चिंग करते हैं, जो पूरे दिन वाहन चलाने के लिए यह पर्याप्त नहीं होता।

रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड में सबसे ज्यादा जरूरत

ई-रिक्शा संचालकों की ओर से शहर के बस और रेलवे स्टैंड में चार्जिंग प्वाइंट की मांग की जा रही है। यहां सुविधा होने से अधिक दूरी तक सफर करने वाले यात्रियों को पूरी तरह रिचार्ज वाहन का विकल्प चुनने में सहूलियत होगी। शहर में चार्जिंग प्वाइंट नहीं होने की वजह से कई गैरेज संचालकों ने हूकिंग की बिजली से सेवाएं देना शुरू कर दिया है। इससे न केवल विद्युत वितरण विभाग को घाटा हो रहा है, बल्कि सप्लाई तार पर भी भार बढ़ रहा है. मामले को गंभीरता से नहीं लेने के चलते बिजली चोरी की संभावना बढ़ गई है।

18 प्रतिशत प्रदूषण पेट्रोल बाइक और आटो से हो रहा

शहर में चिमनी और भारी वाहनों ने निकलने वाली धुआं के साथ कुल प्रदूषण 18 प्रतिशत भाग अकेले ऑटो और दोपहिया वाहनों से निकलती है। चार्चिंग प्वाइंट खुलने से लोगों की निर्भरता बढ़ेगी। सड़कों पर होने वाले प्रदूषण से राहत मिलेगी। ई-रिक्शा की संख्या शहर ही नहीं उपनगरीय क्षेत्रों में भी बढ़ रही है। यहां भी चार्जिंग प्वाइंट की जरूरत महसूस की जा रही। सुविधा मिलने से यहां भी पेट्रोल और डीजल वाहन की संख्या में कमी आएगी। स्थानीय निकाय की ओर शहर चार्जिंग प्वाइंट खोलने से राजस्व लाभ भी मिलेगा, रोजगार भी बढ़ेगा।

मकान की छप्पर में बैठा था 8 फीट का अजगर

सर्प मित्र ने किया सफल रेस्क्यू

कोरबा (छ.ग.गौरव)। करतला के बागबुडा गांव में कच्चे मकान के 15 फीट ऊंचे छप्पर पर बैठे 8 फीट लंबे अजगर का सफल रेस्क्यू किया गया। टीम प्रमुख जितेंद्र सारथी ने जोखिम भरे अभियान के बाद उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया।करतला क्षेत्र के ग्राम बागबुडा में एक कच्चे मकान के छप्पर पर विशालकाय अजगर दिखाई देने से हड़कंप मच गया। मकान मालिक ने जब छप्पर पर अजगर को बैठे देखा तो परिवार के लोग हैरान रह गए कि इतनी ऊंचाई पर वह कैसे पहुंचा। परिवार ने उसे भगाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बाद मामले की जानकारी जिला रेस्क्यू टीम प्रमुख जितेंद्र सारथी को दी गई। उन्होंने कुछ समय में पहुंचने की बात कही और तब तक अजगर पर नजर बनाए रखने को कहा। कुछ घंटे बाद जितेंद्र सारथी अपनी टीम के सदस्य भूपेंद्र जगत के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से करीब 15 फीट ऊंचे छप्पर पर चढ़कर खपरे हटाए गए। कच्चे मकान के ऊपर चढ़कर बड़ी सावधानी से करीब 8 फीट लंबे अजगर को नीचे उतारा गया और सुरक्षित थैले में रखा गया। इसके बाद उसे प्राकृतिक आवास वाले जंगल में छोड़ दिया गया।

मौसम का बदल रहा मिजाज, धान भीगने का खतरा

केंद्रों में 5 लाख 18 हजार क्विंटल धान जाम

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के धान उपार्जन केंद्रों में वर्तमान में लगभग 5 लाख 18 हजार क्विंटल धान जाम पड़ा हुआ है। बदलते मौसम और संभावित बारिश को देखते हुए प्रशासन ने धान का जल्द से जल्द उठाव सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश जारी किए हैं। मंगलवार दोपहर को हुई हल्की बारिश ने समितियों की टेंशन बढ़ा दी है। आगे बारिश हुई तो धान भीगने का खतरा रहेगा।

मौसम में अचानक आए बदलाव और बादलों की आवाजाही के बीच खरीदी केंद्रों में खुले व अस्थायी शेडों में रखे धान की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इसे गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने खाद्य विभाग, नागरिक आपूर्ति निगम, तथा परिवहन एजेंसियों को उठाव की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी उपार्जन केंद्र में धान का अनावश्यक भंडारण स्वीकार नहीं किया जाएगा। संबंधित अधिकारियों को केंद्रवार समीक्षा कर प्रतिदिन उठाव की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए हैं। साथ ही तिरपाल, सुरक्षित स्टैकिंग और जल निकासी की समुचित व्यवस्था और धान को तिरपाल से ढक कर रखने सुनिश्चित करने को भी कहा गया है, ताकि नमी से धान की गुणवत्ता प्रभावित न हो। यदि शीघ्र उठाव नहीं हुआ तो नमी के कारण धान खराब होने की आशंका है, जिससे शासन को आर्थिक क्षति और किसानों को भुगतान में देरी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। प्रशासन ने मिलर्स को भी तय समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने की चेतावनी दी है। लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निगम के डीएमसी ने बिना नोटिस तुड़वा दी सीएसईबी की बाउंड्रीवाल

कलेक्टर से की गई मामले की शिकायत

कोरबा (छ.ग.गौरव)।नगर पालिक निगम में उपायुक्त (डीएमसी) नीरज कौशिक की कार्यप्रणाली को लेकर सीएसईबी के अधिकारी वर्ग में नाराजगी है। डीएमसी द्वारा बिना कोई सूचना दिए सीएसईबी के आधिपत्य वाली सुरक्षा बाउंड्रीवॉल को तुड़वा दिया गया।इसकी शिकायत कलेक्टर से की गई है।

यह घटनाक्रम 20 फरवरी का 2026 है। नगर निगम द्वारा प्लांट गेट के सामने लगाये गए बोर्ड को कंपनी प्रबंधन के निर्देश पर हटाने के बाद डीएमसी ने अपनी मनमानी को अंजाम दिया। बताया गया कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह के प्लांट गेट के सामने बने तिकोना में सिविल विंग द्वारा फुलवारी पौधे लगाए गए हैं।23 जनवरी की संध्या उद्यान अधीक्षक नगर निगम कोरबा द्वारा उक्त तिकोना में मोनूमेन्ट्स लगाने की इच्छा जाहिर की गई जिसके तारतम्य में ठेकेदार राठौर एवं उद्यान अधिक्षक ने मुख्य अभियंता उत्पादन कंपनी के समक्ष उपस्थित होकर अनुमति ली तथा मोनूमेन्ट्स लगाया गया। उक्त स्थान पर ही एक बोर्ड लगाया गया था जिस पर मुख्य अभियंता उत्पादन द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई तथा एस ई सिविल को निर्देश दिये गये। निर्देश के परिपालन में उक्त स्थान पर लगाये गये बोर्ड को हटा दिया गया। इसके बाद सुबह लगभग 11.30 बजे ठेकेदार राठौर ने तिकोना स्थल पर आकर किसी निगम अधिकारी से फोन पर चर्चा करने हेतु अपने फोन से प्रभारी कार्यपालन अभियंता सिविल से बात कराना चाहा जिस पर उन्होंने बात करने से इंकार कर दिया। इसके कुछ समय उपरांत नीरज कौशिक डीएमसी अधिकारी आकर बहसबाजी करने लगे तथा ठेकेदार श्री राठौर के साथ अप्पू गार्डन के पास जाकर सी.एस.ई.बी. की भूमि पर निर्मित बाउंड्री वॉल जेसीबी के माध्यम से तोड़वा दी गई। बाउंड्री वॉल तोड़वाने के पहले नगर निगम के द्वारा नोटिस नहीं दी गई। डीएमसी अधिकारी नीरज कौशिक के रवैये से काफी नाराजगी है तथा शासकीय कार्य को उनके द्वारा नुकसान किया गया है। शिकायत पत्र में कहा गया है कि कंपनी प्रबंधन ने नगर निगम द्वारा कराये कार्य को जनहितैषी मानकर मौन स्वीकृति दी गई थी किन्तु नीरज कौशिक का व्यवहार, काफी उत्तेजक आक्रोशित होकर शासन के कार्य को क्षति पहुंचाना सिविल आचरण अधिनियम के विरुद्ध है। कलेक्टर से आग्रह किया गया है कि संबंधित अधिकारी डीएमसी को उचित दिशा-निर्देश प्रदान करें।

तिलहन और दलहन फसल की तरफ बढ़ा किसानों का रुझान

कृषि विभाग दे रहा बढ़ावा, किसानों को हो रही अतिरिक्त आय

कोरबा (छ.ग.गौरव)। धान की फसल में ज्यादा मेहनत और पानी लगने के कारण किसान अब तिलहन और दलहन की तरफ रुझान कर रहे हैं। विभाग की ओर से किसानों को उन्नत बीज प्रदान की जा रही है, ताकि वह धान के स्थान पर मूंग, मसूर, उड़द, मक्का, मूंगफली सहित सब्जियों के साथ तिलहन और दलहन के श्रेणी में आने वाले फसलों को उगा सकें, इसके लिए उन्हें उन्नत बीज भी प्रदान की जा रही है।

पहली बार दलहन और तिलहन की फसलों को उगाने में थोड़ा रिस्क भी रहता है। फसलों की ठीक तरह से देखभाल और प्रशिक्षण के अभाव में कई बार किसानों को नुकसान भी उठाना पड़ता है। फिलहाल जो किसान इस खेती को कर रहे हैं। उन्हें सरकारी योजना का लाभ मिल रहा है. कृषि विभाग के अधिकारी भी कहते हैं कि इससे किसानों का मुनाफा बढ़ेगा। धान के फसल की जटिलताएं कम होगी और वह समृद्धि की तरफ बढ़ेंगे।नपीएम आशा योजना के तहत अब केंद्र सरकार दलहन और तिलहन फसलों को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सीधे खरीदेगी। छत्तीसगढ़ में 425 करोड़ के उपार्जन को मंजूरी दी गई है। ताकि किसान धान के अलावा अन्य फसलें लगाने के लिए प्रोत्साहित हों। छत्तीसगढ़ में, जिन किसानों ने धान की जगह दलहन, तिलहन या अन्य वैकल्पिक फसलें (मक्का, कोदो-कुटकी) ली हैं, उन्हें 10,000 प्रति एकड़ की दर से आदान सहायता (इनपुट सब्सिडी) दी जा रही है। झगरहा के किसान कहते हैं कि पहले सिर्फ धान की फसल उगाते थे। समर्थन मूल्य नहीं मिलने पर खुले मार्केट में धान 1500 प्रति क्विंटल से ज्यादा पर नहीं बिकता था। यदि साल में दो बार धान की फसल उगाई जाए, तब भी दो बार समर्थन मूल्य नहीं मिलता। अब ग्रामीण कृषि अधिकारी के माध्यम से हमें तिलहन और दलहन के खेती की जानकारी मिली। उन्नत बीज भी प्रदान किए गए हैं, जिससे अच्छी पैदावार हुई है. मूंग, मसूर, उड़द, मूंगफली और गेहूं सहित सब्जियों की फसल लगाई है। यदि इसी तरह से बीज मिलते रहे और सहायता मिलती रही तो उन्हें अच्छा फायदा होगा। हर किसान को फसल का चक्र बदलना चाहिए और तिलहन और दलहन की तरफ बढ़ना चाहिए। धान की फसल लगाने में काफी मेहनत लगती है। पानी भी अधिक लग जाता है, जबकि दलहन तिलहन की फसल में उतनी मेहनत नहीं लगती। जबकि फायदा अधिक होता है।

कृषि विभाग ने किसानों को दिया निशुल्क बीज–कृषि विभाग का कहना है कि धान की फसल को हतोत्साहित करने का प्रयास नहीं कर रहे हैं। किसानों को नि:शुल्क उन्नत बीज प्रदान की जा रही है। ताकि वह तिलहन और दलहन की फसलों को अधिक से अधिक पैदा करें। मूंग, मसूर, मूंगफली, मक्का और गेहूं के बीज किसानों को प्रदान किए जा रहे हैं। अन्य जानकारी भी प्रदान की जा रही है। कई किसानों ने तिलहन और दलन की फसल लगाई है जिससे उन्हें अधिक मुनाफा हो रहा है। सरकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। वर्तमान में राज्य और केंद्र सरकार की कई योजनाएं संचालित हैं। जिसमें तिलहन और दलहन के फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

खड़ी ट्रेलर से टकराई तेज रफ्तार हाइवा

केबिन में फंसकर चालक हुआ घायल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। सर्वमंगला कनवेरी मार्ग अंतर्गत जोड़ा पुल के पास सोमवार की रात सड़क किनारे खड़ी ट्रेलर क्रमांक सीजी 04 पीसी 2181 से पीछे से आ रही तेज रफ्तार हाइवा क्रमांक सीजी 12 बीएन 7093 की भिड़ंत हो गई। हादसे में हाइवा का केबिन बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने चालक को जैसे तैसे केबिन से बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि मार्ग पर वाहन बेहद तेज गति से चलते हैं। जिसके कारण हादसे हो रहे हैं। एक समय था जब सड़क सकरी और जर्जर थी, बन नहीं पाई थी, तो वाहन जैसे तैसे बेहद मुश्किल से आवाजाही करते थे, परंतु अब सड़क बन गई है तो लोग बेहद तेज रफ्तार से वाहन चला रहे हैं जो हादसों की वजह बन रही है।

झुके व सपोर्ट पर टिके खंभों को बदलने नहीं दिया जा रहा ध्यान

गर्मी के दौरान लोड बढ़ने से होगी परेशानी

कोरबा (छ.ग.गौरव)। गर्मी में बिजली सप्लाई की बाधा को दूर करने झुके व सपोर्ट पर टिके खंभों को बदलने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। होली के बाद मौसम का मिजाज बदलेगा। गर्मी बढ़ने पर बिजली उपकरणों के इस्तेमाल से लोड बढ़ेगा। कई जगहों पर अब भी झुके व सपोर्ट पर टिके खंभों में बिजली सप्लाई तार हैं, जिनसे परेशानी हो सकती है।

राज्य बिजली वितरण कंपनी हर साल जरूरी मेंटेनेंस करती है, लेकिन बिजली खंभे बदले नहीं जा रहे हैं। कुसमुंडा के ईमलीछापर चौक के पास बिजली का पोल और सर्विस रोड पर स्ट्रीट लाइट पोल झुका हुआ है। स्थानीय लोगों की शिकायत के बावजूद इन्हें बदला नहीं गया है। होली के बाद मौसम का मिजाज तेजी से बदलेगा। गर्मी के दस्तक देने के साथ ही तेज हवाएं चलने पर झुके व सपोर्ट के सहारे टिके खंभे पर हो रही बिजली सप्लाई में बाधा आने की आशंका है। शहर से लगे शारदा विहार में सियान सदन के सामने झुके खंभे पर बिजली की सप्लाई हो रही है। इसी खंभे के सामने पार्क भी है, जहां लोगों की आवाजाही रहती है। राताखार बायपास रोड, इंडियन कॉफी हाउस के सामने, तुलसी नगर सब स्टेशन रोड पर कई बिजली खंभे सपोर्ट देकर सुरक्षित किए गए हैं। इस रोड पर देर रात तक आवाजाही होती है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623